दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 191 ■ दमण, सोमवार 20, अप्रैल 2026
■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु
■ RNI NO-DDHIN/2005/16215
■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

शनि-रवि की छुट्टियों में भी प्रशासक-प्रशासन करता है काम, विकास की रफ्तार को नहीं देते विराम

प्रशासक प्रफुल पटेल ने दमण-दानह में एयरपोर्ट टर्मिनल, मरवड अस्पताल, जंपोर सी फ्रंट, आयुर्वेदिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र सहित की विकासीय परियोजनाओं का किया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क , दमण/सिलवासा 19 अप्रैल। वर्ष 2016 से संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में एक नई परंपरा शुरू हुई है कि शनि-रवि की छुट्टियों में भी प्रशासक प्रफुल पटेल और उनकी प्रशासनिक टीम विकास के प्रति हमेशा तत्पर रहती है और विकास कार्यों को छुट्टी के दिनों में भी विराम नहीं देती है। संघ प्रदेश थ्रीडी को विकसित प्रदेश के रूप में देश विदेश में जो पहचान मिली है इसके लिए यहीं काम करने की लगन मुख्य कारण रहा है। इस वीकेंड 18 और 19 अप्रैल को शनि-रवि की छुट्टी होने के बावजूद प्रशासक प्रफुल पटेल ने अपनी प्रशासनिक टीम के साथ लगातार 2 दिनों तक दमण और दादरा नगर हवेली में महत्वकांक्षी परियोजनाओं का ग्राउंड जीरो पर निरीक्षण किया। दमण में प्रशासक प्रफुल पटेल ने नये एयरपोर्ट टर्मिनल, मरवड अस्पताल, जंपोर सी-फ्रंट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। रविवार को प्रशासक प्रफुल पटेल ने दादरा नगर हवेली के आयुर्वेदिक अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण का निरीक्षण किया। यहां भी प्रशासक प्रफुल पटेल ने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों को जरूरी दिशानिर्देश दिये। प्रशासक प्रफुल पटेल ने कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा तथा स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित संशोधन विधेयक गिरने से नाराज सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा के बाहर किया धरना प्रदर्शन

■ सांसद उमेश पटेल ने सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से जिम्मेदार ठहराते हुए देश की महिलाओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 19 अप्रैल। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित संशोधन विधेयक गिरने से दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने नाराजगी व्यक्त करते हुए लोकसभा परिसर में बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। सांसद उमेश पटेल ने इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को बराबर जिम्मेदार गिनाते हुए देश की महिलाओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा है। उमेश पटेल ने कहा कि महिला आरक्षण जैसा महत्वपूर्ण विषय किसी एक दल की विफलता नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र की असफलता है। सत्ता ने जिम्मेदारी निभाई नहीं, और विपक्ष ने साथ दिया नहीं - और इस खींचतान में महिलाओं का अधिकार फिर अधूरा रह गया। उन्होंने सत्तापक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बहुमत होने के बावजूद बिल पास न कर पाना सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। अगर नीयत और इच्छाशक्ति मजबूत होती, तो यह कानून आज हकीकत बन चुका होता। वहीं विपक्ष को भी कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है। जो सदन में साथ नहीं दे सकता, वह समाज में साथ क्या देगा? उमेश पटेल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि दोनों की नीयत में खोट है, तभी नारी का हक अधूरा है। एक पक्ष नारी के नाम पर वोट मांगता है, तो दूसरा विरोध की राजनीति करता है लेकिन कोई भी महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिए ईमानदार नहीं दिखा। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय बताते हुए कहा कि जब देश की आधी आबादी का मुद्दा भी राजनीति में फंस जाए, तो यह सिर्फ एक बिल की हार नहीं, संसद की गरिमा की हार है। सांसद उमेश पटेल ने प्रदर्शन के दौरान अपने बैनर के माध्यम से तीखा संदेश देते हुए कहा कि बेचारी नारी गंदी राजनीति की शिकार बन गई। सत्तापक्ष और विपक्ष देश की महिलाओं की पीठ में खंजर घोंपने के लिए नारी शक्ति से माफी मांगे! उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाएं अपना हक-अधिकार भविष्य में नहीं, आज मांगती हैं! अंत में श्री पटेल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर था, जिसे राजनीतिक स्वार्थों की भेंट चढ़ा दिया गया। उन्होंने दोनों पक्षों से जवाब मांगते हुए कहा कि देश की महिलाएं पूछ रही हैं- आखिर उनके अधिकार के साथ यह अन्याय क्यों हुआ? इतिहास जरूर पूछेगा कि इसके लिए जिम्मेदार कौन था? उन्होंने जनता से भी आह्वान किया कि जब सत्ता और विपक्ष दोनों असफल हों, तब समाज को खुद आवाज उठानी पडती है।

टीसीएस के बाद शिर्डी के डीमार्ट में धर्मांतरण का आरोप, बवाल बढ़ा, पुलिस जांच में जुटी

शिर्डी (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कथित धर्मांतरण को लेकर एक और विवाद सामने आया है। नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में पहले से चल रही जांच के बीच अब शिर्डी के डीमार्ट स्टोर में भी इसी तरह के आरोपों ने तूल पकड़ लिया है। मामले के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव की स्थिति बन गई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शिर्डी स्थित डीमार्ट स्टोर में काम करने वाले एक युवक अश्विन पर आरोप है कि उसे धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया गया। आरोप यह भी है कि स्टोर में ही कार्यरत एक अन्य कर्मचारी सोहेल मनियार ने कथित रूप से उसका 'ब्रेनवॉश' कर उसे धर्म बदलने के लिए उकसाया। मामले को तब और तूल मिला जब यह दावा किया गया कि संबंधित युवक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपना नाम बदलकर 'मुस्तफा' कर लिया है। हालांकि, इस दावे की अब तक किसी भी आधिकारिक स्रोत से पुष्टि नहीं हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ हिंदू संगठनों के पदाधिकारी डीमार्ट स्टोर पहुंचे और प्रबंधन से जवाब मांगा। बताया जा रहा है कि इस स्टोर में करीब 150 कर्मचारी कार्यरत हैं और इसी माहौल में कथित धर्मांतरण के आरोप सामने आने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की जांच की जा रही है और सभी संबंधित पक्षों से पूछताछ के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

महाराष्ट्र स्कूलों में मराठी अनिवार्य, उल्लंघन करने पर होगी मान्यता रद्द लगेगा जुर्माना

-शैक्षणिक सत्र शुरू होने के दो महीने के अंदर स्कूलों का किया जाएगा निरीक्षण

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को अनिवार्य कर दिया गया है। यहा मराठी न पढ़ाने वाले स्कूलों पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। यही नहीं, उनकी मान्यता भी रद हो सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने जीआर के जरिए सभी स्कूलों में मराठी भाषा के अनिवार्य शिक्षण को सख्ती से लागू कर दिया है। यह चिंता जताई गई थी कि कई स्कूल विशेषकर केंद्रीय बोर्डों से संबद्ध स्कूल इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जीआर में उल्लंघन करने पर एक लाख रुपए तक के जुर्माने समेत कठोर दंड की चेतावनी दी गई है। जीआर में कहा गया है कि महाराष्ट्र अनिवार्य मराठी भाषा शिक्षण अधिनियम, 2020 के तहत 2020-21 से सभी स्कूलों में कक्षा एक से 10 तक मराठी एक अनिवार्य विषय है। यह सभी संस्थानों पर लागू होता है, चाहे वे किसी भी बोर्ड या माध्यम से संचालित हों। विभाग ने इस नियम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए संभागीय उप शिक्षा निदेशकों को सक्षम प्राधिकारी नामित किया है। रिपोर्ट के मुताबिक शैक्षणिक वर्ष शुरू होने के दो महीने के भीतर स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा, ताकि यह तय किया जा सके कि उनमें मराठी पढ़ाई जा रही है या नहीं। उल्लंघन पाए जाने पर स्कूलों को नोटिस भेजा जाएगा और उनसे 15 दिनों के अंदर जवाब मांगा जाएगा। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख सौदेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में अवैध सरोगेसी और कोख की सौदेबाजी से जुड़े एक बड़े रैकेट का खुलासा होने से हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह नेटवर्क राज्य के कई शहरों में सक्रिय है और सरोगेसी के नाम पर नियमों की खुली अवहेलना कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गिरोह का संचालन एक निजी अस्पताल से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि यह रैकेट निसंतान दंपतियों को सरोगेसी के नाम पर 7 से 15 लाख रुपए तक का सौदा कराता है। साथ ही महिलाओं की उम्र, शारीरिक बनावट और रंग-रूप के आधार पर उनकी कीमत तय करने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस नेटवर्क में गरीब महिलाओं को पैसे का लालच देकर सरोगेट मदर बनाया जाता है। इनमें कुछ कुंवारी लड़कियां भी शामिल बताई जा रही हैं। गर्भावस्था के दौरान उन्हें गुप्त स्थानों पर रखा जाता है ताकि सामाजिक दबाव या पहचान उजागर न हो। जन्म के बाद बच्चों को संबंधित दंपतियों को सौंप दिया जाता है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह केवल सरोगेसी तक सीमित नहीं है, बल्कि अवैध लिंग चयन और नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त जैसे गंभीर अपराधों में भी शामिल है। इन गतिविधियों की निगरानी के लिए खुफिया कैमरों और डिजिटल साक्ष्यों का सहारा लिया गया है। बता दें भारत में व्यावसायिक सरोगेसी पूरी तरह प्रतिबंधित है। केवल परोपकारी सरोगेसी की अनुमति है, जिसमें सरोगेट महिला को कोई आर्थिक लाभ नहीं दिया जाता और वह अक्सर रिश्तेदार होती है। इसके बावजूद ऐसे अवैध नेटवर्क का सक्रिय रहना कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 5 से 10 साल तक की सजा और भारी जुर्माने भी लगाया जाएगा। इस खुलासे के बाद प्रशासन ने पूरे प्रदेश में अवैध क्लीनिकों और सरोगेसी से जुड़े सेंटरों पर निगरानी बढ़ा दी है।

पहलगाम में सुरक्षा का नया तरीका, अब क्यू आर कोड बताएगा कौन है आपको घुमाने वाला

जम्मू (एजेंसी)। पिछले वर्ष अप्रैल में पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए तकनीक का सहारा लिया है। सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से अब पारंपरिक पहचान पत्रों के स्थान पर क्यूआर कोड आधारित प्रणाली लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत पहाड़ी इलाकों में कार्यरत टैक्सी ड्राइवरों, पोनी हैंडलरों (खच्चर चलाने वाले), गाइडों और घुमंतू समुदाय के लोगों को विशिष्ट क्यूआर कोड जारी किए जा रहे हैं। यह क्यूआर कोड एक आईकार्ड की तरह गले में लटकाना अनिवार्य होगा। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसे मोबाइल या गूगल लेंस के जरिए स्कैन करते ही संबंधित व्यक्ति की पूरी जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाएगी। स्कैन करने पर व्यक्ति का नाम, पता, संपर्क नंबर, पहचान पत्र संख्या, पिन कोड और उसका पेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यह तकनीक न केवल सुरक्षाबलों के लिए मददगार है, बल्कि यहां आने वाले पर्यटक भी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे स्कैन कर सकते हैं।

कांग्रेस और उसके सहयोग को लेकर आधी आबादी के मन में भारी आक्रोश

महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में रविवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने 2014 में देश की सत्ता अपने हाथों में ली थी, तब उन्होंने एक बात स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि देश में चार ही जातियां हैं- नारी, गरीब, युवा और किसान। उन्होंने कहा कि भारत को कमजोर करने की नीयत से जातिवाद के नाम पर खुद के परिवार का भरण-पोषण करके उन्होंने देश को लूटा है। उनके लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक चुनौती थी।

सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में कोई भी प्रोग्रेसिव कदम उठाया है, कांग्रेस और उसके जितने भी सहयोगी हैं, हमेशा विरोध करते रहे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण के बारे में भारी आक्रोश है। वह आक्रोश समाजवादी पार्टी, राजद, टीएमसी, डीएमके और उन दलों का है जो इस पाप में भागीदार थे, उनके प्रति महिला का आक्रोश देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ओर से समाज और देश के हित में जो कदम उठाए गए हैं, उनके सामने कैसे बैरियर के रूप में और उन कदमों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए इंडी गठबंधन किस हद तक जाकर षड्यंत्र करता है। उन्होंने कहा कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था, लेकिन जब महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों ने इस बात की मांग की कि यह अधिनियम 2034 के बजाए 2029 में लागू हो, उनकी मांग के मुताबिक पीएम मोदी ने सभी पक्षों से विचार-विमर्श करने के बाद केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में आवश्यक संशोधन लेकर आई।

योगी ने कहा कि कुछ राज्यों ने इसके बारे में मांग उठाई थी कि ऐसा न हो कि इसके जरिए उनके हक को कम कर दिया जाए। पीएम मोदी ने 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करते वक्त तय किया था कि किसी का हक नहीं छीना जाएगा। 33 फीसदी आरक्षण के लिए अतिरिक्त सीट लोकसभा और विधानसभा में बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे किसी का हक कम नहीं होता, केवल एक ही इच्छा थी कि सदन मिल कर भारत की नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ संशोधन विधेयक पारित कर 2029 में उनका अधिकार दे दें।

सीएम योगी ने कहा कि जब भारत के संविधान का निर्माण हो रहा था तो उस समय भी धर्म के आधार पर आरक्षण देने की मांग उठी थी। सभी पक्षों ने इसका विरोध किया था। बाबासाहेब ने इसको लेकर बहुत तीखी टिप्पणी लिखी थी कि एक बार विभाजन हो गया है, भारत दूसरे विभाजन के लिए तैयार नहीं हो सकता। सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसका विरोध किया था। सभी सदस्यों ने इसका विरोध किया था। आज जब वे मुस्लिम महिलाओं की बात करते हैं, तब वे कहां थे? शाह बानो प्रकरण में कांग्रेस की सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को अधिकार से वंचित करने का प्रयास किया।

मीटिंग के दौरान पवन कल्याण की बिगड़ी तबीयत, ऑपरेशन के बाद पीएम मोदी ने लिया हालचाल

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका ऑपरेशन किया गया। इस घटना के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर चिंता जताई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनसे फोन पर बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को एक बैठक के दौरान पवन कल्याण की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता बताई।

ऑपरेशन सफल रहा और डॉक्टरों ने उन्हें फिलहाल आराम की सलाह दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पवन कल्याण से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी पोस्ट करते हुए लिखा कि पवन कल्याण बेहद साहसी हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि वे जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगे। उन्होंने उनके अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना भी की। इस बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी पवन कल्याण के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि वे सर्जरी के बाद जल्द स्वस्थ होकर अपने कार्यों पर लौटें। वहीं राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने भी उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की और शुभकामनाएं दीं। पवन कल्याण के राजनीतिक सचिव पी. हरिप्रसाद के अनुसार, वे पिछले कुछ महीनों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। शुक्रवार को प्रशासनिक बैठक के दौरान उन्हें तेज दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए और अस्पताल पहुंचे। जांच में एमआरआई सहित कई परीक्षणों के बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन का निर्णय लिया। डॉक्टरों का कहना है कि पवन कल्याण को अब लगभग 7 से 10 दिन तक आराम करना होगा, जिसके बाद वे धीरे-धीरे अपने आधिकारिक कार्यों को फिर से शुरू कर सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से स्वस्थ होने में अभी समय लग सकता है।

चुनाव आयोग ने सूची में जोड़े करीब सात लाख नए मतदाता, ममता ने ली राहत की सांस

-इससे हर एक सीट पर वोटर की बढ़ेगी संख्या, 23 और 29 अप्रैल को होना है मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 23 और 29 अप्रैल को मतदान से पहले ममता बनर्जी को राहत मिली है। चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में करीब सात लाख नए मतदाताओं को शामिल कर लिया है। इस बढ़ोतरी के साथ राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या अब 6,82,51,008 हो गई है। आयोग ने इन नए मतदाताओं की आयु, लिंग या अन्य विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सात लाख नए मतदाताओं में से करीब 3.22 लाख पहले चरण के मतदान में भाग लेंगे, जबकि बाकी 3.88 लाख दूसरे चरण में वोट डाल सकेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने हैं। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 विधानसभा क्षेत्रों में और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को शेष 142 क्षेत्रों में मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इन नए शामिल मतदाताओं में कितने 18 साल पूरे कर चुके युवा हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। साथ ही, फॉर्म-6 के जरिए प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या और उनमें से कितने आवेदन अस्वीकृत किए गए, इसकी कोई जानकारी नहीं दी है।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुल आंकड़े मानदंडों के अनुरूप जारी किए गए हैं। विस्तृत आंकड़े तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर बाद में साझा किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद मतदाता सूची में और नाम जुड़ सकते हैं, जिससे कुल संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी राज्य में चल रहे एसआईआर के बाद हुई है। एसआईआर अभियान के दौरान मृतक, प्रवासी, डुप्लिकेट और अनट्रेसेबल मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक एसआईआर में कुल 90 लाख से ज्यादा नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिसके बाद कुल मतदाताओं की संख्या पहले 7.66 करोड़ से घटकर करीब 6.8 करोड़ के आसपास पहुंच गई। ऐसे में सात लाख नए नामों का जुड़ना चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। बता दें टीएमसी समेत विपक्षी दलों ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उनका दावा था कि बड़ी संख्या में नाम हटाने से कई योग्य मतदाता वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं।

तमिलनाडु में 'हीरो बनाम विलेन' की सियासत के साथ ही चुनाव बना व्यक्तिगत इमेज की जंग

-द्रमुक और अन्नाद्रमुक ने नेताओं को 'जननायक' बनाम 'खलनायक' के रूप में पेश किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनावी माहौल के बीच राजनीति का रंग अब दिलचस्प मोड़ लेता दिख रहा है। यहां पारंपरिक मुद्दों के साथ-साथ 'अभिनेता बनाम खलनायक' की सियासत भी चरम पर पहुंच गई है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) अपने-अपने नेताओं की व्यक्तिगत छवि को जनता के बीच मजबूत करने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना रहे हैं।

द्रमुक अपने नेता और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को विकास और सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में पेश कर रही है। पार्टी के प्रचार में स्टालिन को एक ऐसे नेता के तौर पर दिखाया जा रहा है, जो महिला कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय पहचान को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी छवि को केंद्र में रखकर मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश हो रही है।

वहीं दूसरी ओर, अन्नाद्रमुक अपने नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को 'जननायक' और मजबूत प्रशासक के रूप में प्रस्तुत कर रही है। पार्टी का दावा है कि वह राज्य में बेहतर शासन और विकास का विकल्प पेश कर रही है। साथ ही, द्रमुक पर आरोप लगाया जा रहा है कि वह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए छवि आधारित राजनीति कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तमिलनाडु की राजनीति में यह कोई नई रणनीति नहीं है। राज्य में लंबे समय से नेताओं को 'हीरो' और विरोधियों को 'विलेन' के रूप में पेश करने की परंपरा रही है, जो यहां की फिल्म संस्कृति से भी प्रभावित है। यही कारण है कि चुनावी मुकाबला केवल नीतियों और वादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह जनभावनाओं और छवि निर्माण की जंग भी बन जाता है। इस बार के चुनाव में भी यही रुझान देखने को मिल रहा है, जहां दोनों प्रमुख दल अपने-अपने नेताओं को सकारात्मक रूप में पेश करते हुए विरोधियों की छवि को कमजोर करने में जुटे हैं। ऐसे में यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जनधारणा और व्यक्तित्व की लड़ाई के रूप में भी देखा जा रहा है।

मुश्किल है मौसम का मिजाज भांपना : कहीं लू का कहर तो कहीं बारिश और बर्फबारी का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में देश के एक बड़े हिस्से को भीषण गर्मी और लू का सामना करना पड़ेगा, जबकि कुछ राज्यों में बारिश और आंधी-तूफान से राहत मिलने के आसार हैं। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में गर्मी का प्रकोप बढ़ने वाला है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के लिए लू की चेतावनी जारी की गई है। इन इलाकों में दिन के समय चलने वाली तेज गर्म हवाएं जनजीवन को प्रभावित कर सकती हैं।

उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों जैसे पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। पूर्वी भारत में भी पारा 2 से 3 डिग्री तक चढ़ने का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों, विशेषकर तमिलनाडु, केरल, तटीय कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में गर्मी के साथ-साथ भारी उमस लोगों की मुश्किलें बढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में गर्म रातों का दौर जारी रहने की संभावना है, जिससे लोगों को चौबीसों घंटे गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

पीएम मोदी ने न केवल झूठ का पुलिंदा खोला बल्कि आचार संहिता का भी उल्लंघन किया: खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया था। उनके संबोधन में कही गईं बातों को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झूठ का पुलिंदा बताया है। इसके साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा की पीएम मोदी आचार संहिता का भी उल्लंघन किया है।

उन्होंने हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे गरिमा के विपरीत बताया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने एक आधिकारिक मंच का उपयोग विशुद्ध रूप से राजनीतिक भाषण देने के लिए किया, जिसमें विरोधियों पर कीचड़ उछालने और असत्य दावों के सिवाय कुछ नहीं था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए खड़गे ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में अपनी कोई ठोस उपलब्धि न दिखा पाने के कारण प्रधानमंत्री हताशा और निराशा में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब चुनाव आचार संहिता लागू है, तब भी प्रधानमंत्री ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर अपने विरोधियों पर निशाना साधा, जो लोकतंत्र और भारतीय संविधान का खुला अपमान है। खड़गे ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ने अपने पूरे भाषण में 59 बार कांग्रेस का जिक्र किया, जबकि महिलाओं का नाम बमुश्किल ही लिया। उन्होंने कहा कि इससे सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट हो जाती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा के लिए महिलाएं कभी प्राथमिकता में नहीं रहीं और केवल कांग्रेस ही वास्तव में उनके साथ खड़ी है।महिला आरक्षण के मुद्दे पर खड़गे ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने हमेशा इस दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पारित करवाया था ताकि वह निष्प्रभावी न हो, लेकिन भाजपा तब इसे लोकसभा में पारित नहीं करा सकी। उन्होंने मांग की कि सरकार 2023 के कानून के तहत मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू करे और इसे परिसीमन के बहाने न टाले। अपनी पार्टी की विरासत का जिक्र करते हुए खड़गे ने कहा कि हरित क्रांति से लेकर सूचना के अधिकार, मनरेगा और खाद्य सुरक्षा जैसे ऐतिहासिक कानून कांग्रेस की देन हैं। उन्होंने हाथरस, उन्नाव और महिला पहलवानों के मामलों का उदाहरण देते हुए भाजपा पर महिला-विरोधी होने का आरोप लगाया। खड़गे ने अंत में कहा कि 12.5 साल सत्ता में रहने के बाद भी सरकार महंगाई और गिरती अर्थव्यवस्था जैसे बुनियादी मुद्दों का समाधान निकालने में पूरी तरह विफल रही है।

भारतीय वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत ने अमेरिकी एफ-15ईएक्स ईगल-2 फाइटर जेट उड़ाया

-यह उड़ान एयर चीफ मार्शल सिंह की नेलिस एयरफार्स बेस की बड़ी यात्रा का हिस्सा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 9 अप्रैल को नेवादा में नेलिस एयर फ़ोर्स बेस के अपने दौरे के दौरान, बोइंग एफ-15ईएक्स ईगल-2 फाइटर जेट में अमेरिकी वायु सेना के मेजर मैथ्यू बेन्सन के साथ उड़ान भरी, जो 85वीं टेस्ट और मूल्यांकन स्क्वाड्रन के पायलट हैं। इस उड़ान ने भारतीय वायु सेना प्रमुख को अमेरिका के बेड़े में मौजूद सबसे उन्नत फाइटर प्लेटफॉर्म में से एक को करीब से देखने का मौका दिया, यह प्लेटफॉर्म हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हवाई श्रेष्ठता बनाए रखने और अभियानों में सहायता करने में अहम भूमिका निभाता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफ-15ईएक्स ईगल-2 अमेरिका के प्रमुख हवाई श्रेष्ठता फाइटर का नवीनतम संस्करण है, जिसे अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सहयोगात्मक रक्षा के लिए जरुरी प्लेटफार्म में से एक मानता है। यह उड़ान एयर चीफ मार्शल सिंह की नेलिस एयरफार्स बेस की बड़ी यात्रा का हिस्सा थी; यह बेस अमेरिका एयर फ़ोर्स के लिए एडवांस्ड कॉम्बैट ट्रेनिंग और ऑपरेशनल टेस्टिंग का एक अहम केंद्र है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इस अनुभव से भारतीय एयर चीफ को विमान की क्षमताओं और आधुनिक हवाई युद्ध में उसकी भूमिका को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिला।

इस यात्रा के दौरान सिंह ने अमेरिकी एयर फोर्स के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बातचीत की, जिनमें अमेरिकी एयर फ़ोर्स वॉरफ़ेयर सेंटर के कमांडर, ब्रिगेडियर जनरल डेविड सी एपरसन भी शामिल थे। एयर कमोडोर यशपाल सिंह नेगी भी आईएएफ प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। बातचीत का मुख्य जोर दोनों वायु सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास के अवसरों को बढ़ाने और आधुनिकीकरण के प्रयासों में तालमेल बिठाने पर रहा। इन चर्चाओं में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच आपसी तालमेल को और मज़बूत बनाने की जरूरत पर भी ज़ोर दिया गया।

भारत और चीन में बढ़ रही नजदीकियां: एससीओ की बैठक हुई, अब जिनपिंग कर सकते हैं दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच पिछले कुछ समय से सुधरते कूटनीतिक रिश्तों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित हुआ है। दोनों देशों ने 16-17 अप्रैल को अपनी पहली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) द्विपक्षीय वार्ता आयोजित की। साल 2024 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के सफलतापूर्वक सुलझने के बाद, इस उच्च स्तरीय बैठक को द्विपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस वार्ता के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने एससीओ नेताओं द्वारा लिए गए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन और संगठन की भविष्य की रूपरेखा पर गहन चर्चा की। भारत और चीन ने एससीओ से जुड़े विभिन्न वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर आपसी विचार-विमर्श जारी रखने और सहयोग को अधिक सुदृढ़ करने पर अपनी सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने संयुक्त रूप से विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एससीओ ढांचे के भीतर सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा विवाद सुलझने के बाद से दोनों देश ब्रिक्स और एससीओ जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रियता से साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बीजिंग ने भारत की मौजूदा ब्रिक्स अध्यक्षता के प्रति अपना पूर्ण समर्थन जताया है। इसी कड़ी में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के मई के मध्य में भारत आने की संभावना है, जबकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत दौरे की उम्मीद जताई जा रही है। ये दौरे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बर्फ पिघलने का स्पष्ट संकेत देते हैं। एससीओ के प्रति भारत का रुख सदैव स्पष्ट और सैद्धांतिक रहा है। भारत इस यूरेशियन समूह में अपनी सदस्यता को अत्यंत महत्व देता है और उसका मानना है कि इस संगठन का मूल उद्देश्य क्षेत्र में आतंकवाद, कट्टरपंथ और उग्रवाद का डटकर मुकाबला करना होना चाहिए। साथ ही, भारत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी (संपर्क) को बढ़ावा देने का पक्षधर है, लेकिन उसकी यह स्पष्ट शर्त है कि ऐसी कोई भी पहल सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का सम्मान करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले शिखर सम्मेलनों में यह कड़ा संदेश दिया था कि संप्रभुता को दरकिनार कर शुरू की गई कोई भी कनेक्टिविटी पहल अपना भरोसा और सार्थकता खो देती है। फिलहाल, यह द्विपक्षीय वार्ता एशिया की इन दो बड़ी शक्तियों के बीच विश्वास बहाली की प्रक्रिया को नई गति प्रदान कर रही है।

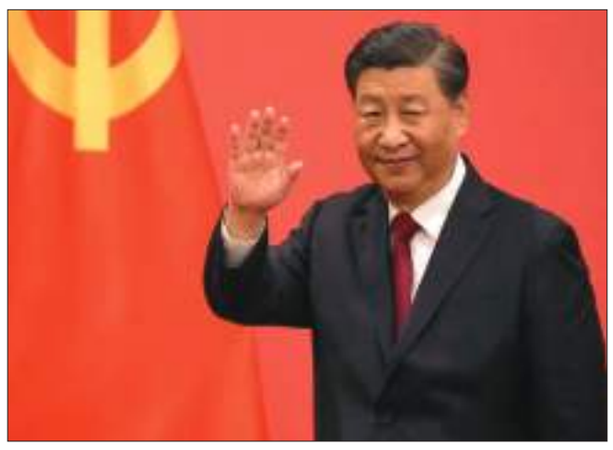

दमण में खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र हेतु चयन ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न: 300 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, 19 अप्रैल। दमण। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के खेल एवं युवा मामले विभाग द्वारा खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र सिलवासा में प्रवेश हेतु दमण जिले में चयन ट्रायल का सफल आयोजन किया गया। यह ट्रायल स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नानी दमण में आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 300 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में किया गया, जिसका उद्देश्य प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत प्रतिभागियों का दस्तावेज सत्यापन, फिजिकल फिटनेस टेस्ट एवं स्पोर्ट्स स्किल टेस्ट लिया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र सिलवासा में चयनित खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण, स्पोर्ट्स डाइट, आवास, खेल किट एवं शिक्षा की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे खेल एवं शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। आगामी चयन ट्रायल 21 अप्रैल को कोर एरिया स्टेडियम ग्राउंड सिलवासा, 23 अप्रैल को चौड़ा ग्राउंड खानवेल तथा 27 अप्रैल को एजुकेशन हब केवडी (दीव) में आयोजित किए जाएंगे। विभाग के अधिकारी अक्षय कोटलवार ने जानकारी दी कि जो खिलाड़ी दमण में आयोजित ट्रायल में किसी कारणवश भाग नहीं ले पाए हैं, वे इन आगामी ट्रायल में भाग लेकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। संघ प्रदेश प्रशासन की तरफ से तीनों जिलों के विद्यार्थियों और खिलाड़ियों से अपील की जाती है कि वे इस खेलों इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र मे प्रवेश के लिए सिलेक्शन ट्रायल देकर इस अवसर का लाभ ले। इसके संबंध में अधिक जानकारी के लिए डॉ. पलब दासगुप्ता 9433170545, बॉय सिंह 6009260846 और सागर राव 7405419619 को संपर्क करे।

वात्सल्य स्कूल ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम लाकर हासिल की बड़ी उपलब्धि

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, 19 अप्रैल। दमण। वात्सल्य स्कूल ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए 10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार रिजल्ट लाकर बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस वर्ष की परीक्षा में कुमारी नंदिनी सिंह ने 96.80% मार्क्स लाकर दमण जिले में प्रथम स्थान हासिल करके स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है। उनकी यह कामयाबी उनकी लगन, लगातार मेहनत और डिसिप्लिन्ड पढ़ाई का नतीजा है। इसके साथ ही श्रेयस महापात्र- 93.40%, शिवम दुबेझ 93.20%, यश खाबियाझ 90.80% , मोहक खंडेलवालझ 90.40%, मानवी सोनी- 90.40%, स्वराली हांडे-90.20% मार्क्स लाए हैं। उनकी कड़ी मेहनत, लगन और बेहतरीन करने की प्रतिबद्धता स्कूल की मजबूत शैक्षणिक परम्परा का प्रतिबिंब है। स्कूल मैनेजमेंट ने इस सामूहिक सफलता के लिए सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी है और भविष्य में भी एकेडमिक एक्सीलेंस और ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए प्रतिबद्ध रहने का भरोसा दिया है।

अंबामाता मंदिर का श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया 34वां पाटोत्सव

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, 19 अप्रैल। दमण। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अंबामाता मंदिर का 34वां पाटोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पवित्र नवचंडी यज्ञ का आयोजन आस्था और समर्पण के साथ किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु एवं भक्तजन सम्मिलित हुए और अंबामाता के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने माँ के चरणों में नमन किया और अपने जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस पवित्र मंदिर की स्थापना स्वर्गीय एरच नसरवानजी दमणिया द्वारा की गई थी, जिनकी दूरदृष्टि और भक्ति ने इस आध्यात्मिक धाम की नींव रखी। इस दिव्य परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अस्पी दमणिया, उनकी माताश्री जरीना दमणिया, पुत्र शहरेवर दमणिया, पत्नी परसीस दमणिया, मजारिन, तथा फ्रियाना, साथ ही उनके ससुराल पक्ष से एरिक सेठना, फिरांगिस सेठना, रुशाद और ज़ेहान भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सभी ने पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ मंदिर ट्रस्ट की सेवा और संरक्षण का संकल्प दोहराया। अक्षय तृतीया के इस शुभ दिन पर अस्पी दमणिया ने पुनः यह संकल्प व्यक्त किया कि उनका परिवार इस पवित्र सेवा को निरंतर जारी रखेगा और माँ अंबामाता की कृपा केवल अपने परिवार पर ही नहीं, बल्कि पूरे दमण, देश और समस्त विश्व पर बनी रहे, ऐसी प्रार्थना की। उन्होंने सभी के लिए शांति, समृद्धि, सौहार्द और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। नवचंडी यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात हजारों श्रद्धालुओं, भक्तों, आमंत्रित अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के लिए पवित्र महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में पूर्व सांसद लालू पटेल, पियूष पटेल, सिंपल काटेला, भावना, तमन्ना मिठाणी, कल्पेश सीताराम, जसविंदर कौर, धन्सुखभाई, रेखाबेन, नीरजभाई, राजेंद्रभाई, वाणी, रोहितभाई, मनीष, महेशभाई सहित अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। अंबामाता मंदिर के महाराज दिव्येशभाई एवं पूज्य पंडितजी, जिन्होंने पूरे पूजन विधि और पवित्र नवचंडी यज्ञ को अत्यंत श्रद्धा एवं आध्यात्मिक गरिमा के साथ संपन्न कराया, उनका विशेष आभार व्यक्त किया गया। साथ ही प्रेस एवं मीडिया प्रतिनिधियों का भी धन्यवाद किया गया, जिन्होंने इस धार्मिक आयोजन को व्यापक रूप से कवर किया तथा महाप्रसाद ग्रहण कर माँ अंबामाता का आशीर्वाद प्राप्त किया। माँ अंबामाता की असीम कृपा हम सभी पर बनी रहे, समाज में शांति, एकता, समृद्धि और आध्यात्मिक जागृति का संचार हो और हम सभी मिलकर दमण, देश और मानवता के उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हों इसी मंगलकामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कन्नड़ सेवा संघ ने उगादी उत्सव कार्यक्रम का किया आयोजन

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, 19 अप्रैल। सिलवासा। कन्नड़ सेवा संघ और कन्नड़ महिला संघ दादरा नगर हवेली ने गार्डन सिटी हॉल सामरवरणी सिलवासा में उगादी उत्सव का आयोजन किया। डॉ. उषा हिरंजल ने मुख्य अतिथि के रूप में और पी. करंत ने विशिष्ट अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कन्नड़ सेवा संघ के अध्यक्ष डॉ. गणेश कमलाकर वर्णेकर ने कर्नाटक के लिए नव वर्ष के रूप में उगादी उत्सव के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कन्नड़ सेवा संघ का उद्देश्य एकता स्थापित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक विकास को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी बताया कि कन्नड़ सेवा संघ अपनी गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और करियर के विकास के लिए दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। अतिथि डॉ. उषा हिरंजल और पी. करंत ने कन्नड़ सेवा संघ और कन्नड़ महिला संघ की गतिविधियों की सराहना की और सभी कन्नड़ भाषियों से एकजुट होने तथा संघ के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसे प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। नीतीश नाइक, लक्ष्मण नाटेकर और आनंद सावरे ने इस कार्यक्रम को प्रायोजित किया, जबकि प्रकाश नाइक ने कार्यक्रम के लिए रात्रिभोज प्रायोजित किया। वापी कन्नड़ संघ से ललिता करंत, तुलुनाड इसिरी से बालकृष्ण शेट्टी, अनिल शेट्टी, पुष्पराज शेट्टी, अजीत राणेबेन्नूर, गोविंद शेट्टी और महेश शेट्टी इस कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कन्नड़ महिला संघ की अध्यक्ष कांति शेट्टी ने पूरे वर्ष के दौरान संघ द्वारा की गई गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया और सभी को उगादी पर्व की शुभकामनाएं दीं। दक्षायणी राव, उपाध्यक्ष होसमणि, उपाध्यक्ष प्रतिमा शेट्टी, रजनी शेट्टी, रेणुका, शरत हेगड़े, वेंकटेश पुजारी, जयश्री, माधवी, अश्विनी, लोकेशप्पा, चंद्रशेखर और शशिकांत राव ने इस कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय रूप से स्वयंसेवा की। भारती भंडारी, अंबिका, नंदिनी और सुकन्या ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम के बाद दादरा नगर हवेली के कन्नड़भाषियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

18.04.2026

-: Public Notice:-

Notice is hereby given to all concern that my client agreed to purchase properties being Non-Agricultural Lands bearing (1) S.No. 261/3-1, admeasuring 1991 Sq.Mts, (2) S.No. 261/5-2, admeasuring 112 Sq.Mts and (3) S.No. 130/1(8)-1, admeasuring 11,111 out of total admeasuring 18522 Sq.Mts, i.e. totally admeasuring 13,214 Sq.Mts., situated at village Dunetha, Nani Daman, Daman, Dist Daman, within jurisdiction of Dunetha Gram Panchayat, Nani-Daman, District and Sub-district of Daman, Taluka of Daman, DAMAN-396210 from its lawful owner and possessor **Kolsite Industries**. The said owners have assured that title of the said property is clear & marketable.

Therefore if any person, firm, company, govt. or semi-govt. body has any right, title or interest of any nature on the said property or any part thereof, are hereby called upon by this notice to lodge their claim. if any, to the undersigned within **seven days** from the date of publication of this notice, failing which my client will presume that nobody has any right of any nature and if any, have abandoned the same and after notice period my client will proceed further to complete the said transaction by executing necessary deeds which please be noted.

Address :-
Office No. 6, Turning Point,
Opposite Sagar Petrol Pump,
Kathiria, Nani Daman
9510978987.

(Lipika V. Joshi)
Advocate for the purchaser

दीव पुलिस ने पासा एक्ट के तहत आरोपी को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क , दीव 19 अप्रैल। दीव पुलिस ने जिले में लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं। इस संबंध में दीव के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने गुजरात एंटी-सोशल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट, 1985 (PASA) के नियमों के तहत आरोपी जब्बार आसिफ मोवर के खिलाफ एक आदेश जारी किया था। मोवर बार-बार आपराधिक गतिविधियों (जैसे, गंभीर चोट पहुंचाना, आपराधिक धमकी, मारपीट, आर्म्स एक्ट के अपराध, आदि) में शामिल पाया गया था। आरोपी 10/02/2026 से फरार था और उसे 17/04/2026 को दीव में पकड़ा गया था। दीव के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किए गए आदेश का पालन करते हुए उसे बाद में हिरासत में लिया गया और दमण सब जेल में रखा गया। दीव पुलिस असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गिरफ्तार व्यक्ति जब्बार आसिफ मोवर (28 वर्ष) निवासी हाजियावाड़ा, दीव का निवासी है।

CHANGE OF NAME

I have changed my name from **LIMBANI KIRANKUMAR RATILAL / KIRANKUMAR LIMBANI** to **LIMBANI KIRANKUMAR** as per document.

Address : A/02/602 Sai Residency,Vrundavan Society,B/H Surbhi Bar,Silvassa-396230

सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता का उदयः भुवनेश्वर से उठती तकनीकी क्रांति की नई लहर

विनोद कुमार सिंह

वैश्विक स्तर पर भी इस परियोजना को व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अग्रिम मांग और सहयोग के संकेत यह दशार्ते हैं कि भारत अब वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनने की दिशा में अग्रसर है।यह न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा,बल्कि देश की रणनीतिक क्षमताओं को भी सुदृढ़ करेगा।

भारत की विकास यात्रा में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब कोई पहल केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि वह राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली धुरी बन जाती है। 19 अप्रैल 2026 को भुवनेश्वर की धरती पर देश की पहली काँच आधारित उन्नत त्रि-आयामी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई के शिलान्यास के साथ ऐसा ही एक ऐतिहासिक अध्याय प्रारंभ हुआ। यह केवल एक औद्योगिक स्थापना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के उस स्वप्न का साकार रूप है, जिसमें तकनीक, नवाचार और राष्ट्रीय संकल्प एक साथ आगे बढ़ते दिखाई देते हैं।आज का युग सूचना, संचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी का युग है। इस युग की हर धड़कन के केंद्र में सेमीकंडक्टर है– वह अदृश्य शक्ति, जो मोबाइल फोन से लेकर अंतरिक्ष अभियानों तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर रक्षा प्रणालियों तक हर क्षेत्र को संचालित करती है। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में एक अनिवार्य कदम है। भुवनेश्वर में स्थापित हो रही यह उन्नत इकाई इसी व्यापक दृष्टिकोण का परिणाम है।इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का उद्बोधन पूरे आयोजन की आत्मा बनकर उभरा। उनके शब्दों में केवल एक परियोजना की जानकारी नहीं थी, बल्कि उसमें भारत के तकनीकी भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा और आत्मविश्वास का स्वर गूंज रहा था। उन्होंने इस पहल को देश की तकनीकी संप्रभुता से जोड़ते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत अब सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में केवल उपभोक्ता नहीं रहेगा,बल्कि वह निर्माण, नवाचार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उनके वक्तव्य में यह भाव स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि काँच आधारित त्रि-आयामी पैकेजिंग तकनीक भारत के लिए एक परिवर्तनकारी कदम सिद्ध होगी, जो उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दूरसंचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में देश को नई शक्ति प्रदान करेगी।केंद्रीय मंत्री ने जिस विश्वास और दूरदर्शिता के साथ इस परियोजना को भारत के भविष्य से जोड़ा,वह यह संकेत देता है कि देश अब तकनीकी

प्रतिस्पर्धा में पीछे रहने को तैयार नहीं है।उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका निरंतर मजबूत हो रही है और यह पहल देश को एक विश्वसनीय तथा सक्षम तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित करेगी।उनके उद्बोधन में आत्मनिर्भर भारत की वह व्यापक अवधारणा स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जिसमें तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनती है।इस अवसर पर मोहन चरण माँझी ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में राज्य की प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हुए कहा कि ओडिशा निवेश और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने इस परियोजना को राज्य के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह ओडिशा को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगी।

लगभग 1,943 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हो रही यह परियोजना भारत की पहली काँच सब्सट्रेट आधारित उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग सुविधा है। केंद्र सरकार द्वारा लगभग 799 करोड़ रुपये और राज्य सरकार द्वारा लगभग 399 करोड़ रुपये के सहयोग से यह परियोजना राष्ट्रीय प्राथमिकता का स्वरूप धारण कर चुकी है।लगभग 2,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन करते हुए यह इकाई देश के युवाओं को उच्च तकनीकी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी।प्रति वर्ष लगभग पाँच करोड़ इकाइयों के उत्पादन की क्षमता इस परियोजना को भारत के सेमीकंडक्टर परिदृश्य में एक सशक्त आधार प्रदान करेगी। तकनीकी दृष्टि से यह परियोजना अपने आप में अद्वितीय है।काँच आधारित सेमीकंडक्टर पैकेजिंग तकनीक पारंपरिक सिलिकॉन आधारित प्रणालियों की तुलना में अधिक प्रभावी, ऊर्जा-कुशल और विश्वसनीय मानी जाती है।उच्च आवृत्ति पर बेहतर सिग्नल गुणवत्ता, तापीय स्थिरता और कम ऊर्जा हानि जैसी विशेषताएँ इसे भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाती हैं।यही कारण है कि यह तकनीक डेटा केंद्रों, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,उन्नत संचार प्रणालियों और रक्षा क्षेत्र में व्यापक उपयोग की संभावनाएँ रखती है।

इस परियोजना की एक और विशेषता इसकी पूर्णतः एकीकृत संरचना है,जिसमें काँच पैनल निर्माण,चिप असेंबली और उन्नत पैकेजिंग सभी एक ही परिसर में संचालित होंगे।यह मॉडल उत्पादन की दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ गुणवत्ता नियंत्रण और लागत प्रबंधन को भी सुदृढ़ करेगा। तीन प्रमुख उत्पादन इकाइयों–काँच पैनल प्रसंस्करण,असेंबली एवं पैकेजिंग,तथा त्रि-आयामी एकीकृत मॉड्यूल निर्माण के माध्यम से यह परियोजना भारत को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक नई ऊँचाई प्रदान करेगी।इस परियोजना के कार्यान्वयन की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्थल परीक्षण और प्रारंभिक इंजीनियरिंग कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि आवश्यक स्वीकृतियों की प्रक्रिया जारी है।उत्पादन प्रारंभ होने की संभावित समयसीमा वर्ष 2028 निर्धारित की गई है,जबकि पूर्ण क्षमता से उत्पादन 2030 तक आरंभ होने की संभावना है। यह समयबद्ध योजना भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और कार्यान्वयन दक्षता का प्रमाण है।

वैश्विक स्तर पर भी इस परियोजना को व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अग्रिम मांग और सहयोग के संकेत यह दशार्ते हैं कि भारत अब वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनने की दिशा में अग्रसर है।यह न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा,बल्कि देश की रणनीतिक क्षमताओं को भी सुदृढ़ करेगा।

संक्षेप में भुवनेश्वर में स्थापित हो रही यह उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई भारत के तकनीकी आत्मविश्वास,आर्थिक दृष्टि और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। अश्विनी वैष्णव के उद्बोधन में व्यक्त दृष्टि इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अग्रिम पंक्ति में खड़ा होने के लिए तैयार है।यह पहल उस नए भारत की कहानी कहती है,जो अपने सपनों को साकार करने के लिए केवल संकल्पित ही नहीं, बल्कि सक्षम भी है,इस ऐतिहासिक क्षण का सबसे बड़ा संदेश है।

संपादकीय

बगल में छुरी

शिक्षण परिसरों की निगरानी में कभी माहौल के आदर्श और केवल शिक्षा के लक्ष्य ही गूंजते थे, लेकिन अब यह दौर चुनौतियों से भरा है। सोलन के निजी विश्वविद्यालयों की छतें इतनी कमजोर कैसे हो गईं कि छात्र समुदाय अपनी हिम्मत हारने लगे हैं। मौत की छलांग का नजारा रौंगटे खड़े कर देता है, लेकिन घातक परिस्थितियों तक छात्र क्यों पहुंच रहे हैं, इस पर गौर करना होगा। एक दूसरा परिदृश्य सरकारी कालेजों के शरारती दरवाजे कर रहे हैं। अपनी कक्षाओं में ही तीन सहायक प्रोफेसर अपना आचरण नहीं बचा पाए। प्राध्यापकों के बगल में छुरी, आंखों में व्यभिचार और संगत में सारे दोष अगर होंगे, तो उनकी बर्खास्तगी का शुक्र मनाना चाहिए। वाकई इन सहायक प्रोफेसरों से कालेज की दीवारें कांपी होंगी, जब वे अपनी ही शिष्याओं के बीच दुष्चरित्र साबित हुए। अफसोस यह कि हिमाचल में अब छात्राओं को उन्हीं के प्रोफेसरों से खतरा है। अच्छी बात यह है कि इन तीनों मामलों के विरुद्ध पीड़ित छात्राओं ने खुद ही मोर्चा खोला और परिणाम स्वरूप लंबी जांच के बाद प्रोफेसरों को चलता कर दिया गया। कार्रवाई से निकले सबक दूर तक जाएंगे, लेकिन यह चिंता का विषय है कि शिक्षकों के वेश में खोट निकल रहे हैं। विडंबना यह भी है कि शिक्षक अब एक पाठ्यक्रम और सरकारी नौकर है। पिछले कुछ वर्षों से यह भी देखा जा रहा है कि इस पवित्र पेशे के आदर्श या तो राजनीति में दफन हो चुके हैं या पोस्टिंग के पहरावे में कुछ खास पहचान के लोग चमक रहे हैं। एक समय था जब शिक्षकों के मार्फत कोई छात्र खिलाड़ी, कोई गायक, कोई कलाकार, तो कोई साहित्यकार बन जाता था। तब शिक्षक पाठ्यक्रम से कहीं ऊपर जिंदगी के गुरु होते थे। पढ़ाने का तरीका और सलीका उनके प्रति गुरुत्व का आकर्षण और आगे बढे की महत्त्वाकांक्षा पैदा करता था। खैर ये तीन प्रोफेसरों के चरित्र की कहानी नहीं, बल्कि हिमाचल के चेहरे से हो रही छेडखानी ही मानी जाएगी। हिमाचल में कुछ विकृत प्रवृत्तियां और निरंकुश अदाकार पैदा हो रहे हैं। इसे सोशल मीडिया की पैदावार कहें या समाज के प्रति लापरवाह होता व्यक्तिगत स्वार्थ मानें। महिलाओं का आगे बढा, उनका स्वतंत्र व जागरूक होना प्रदेश की छवि को खास बनाता है, लेकिन स्वतंत्रता और उद्दंडता के बीच अंतर कम होने लगा है। घुमारवीं में दो महिलाओं द्वारा कंडक्टर के खिलाफ किया गया प्रदर्शन, किस समाज की परिभाषा में पुरस्कृत होगा और हैरानी यह कि ऐसे मौकों से जनता की जिम्मेदारी गायब हो रही है। हिमाचल में व्यक्ति से व्यक्ति की दूरी ही बढ़ रही है, तो हम राज्य के सामाजिक संगठन में कैसे किसी आचार संहिता का पालन करेंगे। सोशल मीडिया पर उभरती टिप्पणियों का संज्ञान लें तो फिसाद की जड़ हमारे बीच है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोशल मीडिया की नई मजदूरी से घायल होने की पूरी संभावना है। नाहन से तथाकथित इन्फ्लुएंसर युवती की हालिया वीडियो ने जिस तरह देश की सेवा में लगे फौजियों के व्यक्तित्व व चरित्र पर प्रहार किया है, उससे बड़ा अपशगुन हम नहीं देख सकते।

चिंतन-मनन

भौतिकवाद से उपजी दुर्गति

ऊंचा महल खड़ा करने के लिए किसी दूसरी जगह गड्ढे बनाने पड़ते हैं। मिट्टी, पत्थर, चूना आदि जमीन को खोदकर ही निकाला जाता है। एक जगह टीला बनता है तो दूसरी जगह खाई बनती है। संसार में दरिद्रों, अशिक्षितों, दुःखियों, पिछड़ों की विपुल संख्या देखते हुए विचार उठता है कि उत्पादित सम्पदा यदि सभी में बंट गई होती तो सभी लगभग समान स्तर का जीवन जी रहे होते। अभाव एक ही कारण उत्पन्न हुआ है कि कुछ लोगों ने अधिक बटोरने की विज्ञान एवं प्रत्यक्षवाद की विनिर्मित मान्यता के अनुरूप यह उचित समझा है कि नीति, धर्म, कर्त्तव्य, शालीनता, समता, परमार्थ परायणता जैसे उन अनुबंधों को मानने से इंकार कर दिया जाए जो पिछली पीढ़ियों में आस्तिकता और धार्मिकता के आधार पर आवश्यक माने जाते थे। पशुओं को जब नीतिवान परोपकारी बनाने के लिए बाधित नहीं किया जा सका, तो बन्दर से मानव रूप में विकसित मनुष्य को यह किस आधार पर समझाया जा सके कि उसे उपार्जन तो करना चाहिए पर उसको उपभोग में ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। विज्ञान के साथ सज्ञान का समावेश यदि रह सका होता तो भौतिक और आत्मिक सिद्धान्तों पर आधारित प्रगति का लाभ हर किसी को समान रूप से मिलता पर किया क्या जाए? भौतिक विज्ञान जहां शक्ति व सुविधा प्रदान करता है, वहीं प्रत्यक्षवादी मान्यताएं नीति, धर्म, संयम, स्नेह, कर्त्तव्य आदि को झुठला देती हैं। ऐसी दशा में उद्दंडता अपनाए हुए समर्थ का दैत्य-दानव बन जाना स्वाभाविक है। औद्योगीकरण के नाम पर बने कारखानों ने संसार भर में वायु और जल प्रदूषण भर दिया है। ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग ने संसार का तापमान इतना बढ़ा दिया है कि हिम प्रदेश पिघल जाने पर समुद्रों में बाढ़ आने और ओजोन नाम से जाना जाने वाला पृथ्वी का कवच फट जाने पर ब्रह्माण्डीय किरणों धरती की समृद्धि को भूनकर रख सकती हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशक मिलकर पृथ्वी की उर्वरता को विषाक्तता में बदलकर रखे दे रहे हैं। बढ़ते हुए कोलाहल से व्यक्ति और पगलाने लगेंगे। शिक्षा का उद्देश्य उदरपूर्ति भर रहेगा, उसका शालीनता के तत्त्वदर्शन से कोई वास्ता न रहेगा। मनुष्य जाति आज जिस दिशा में चल पड़ी है, उससे उसकी महत्ता ही नहीं, सत्ता का भी समापन होते दीखता है।

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी कब ?

सौरभ वार्ष्णेय

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी देने के उद्देश्य से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक कदम माना गया। लेकिन यह सवाल स्वाभाविक है कि जब यह कानून संसद से पारित हो चुका है, तो इसका असर अभी तक जमीनी स्तर पर क्यों नहीं दिख रहा। दरअसल, इस अधिनियम के लागू होने में देरी का कारण इसकी संरचना और उससे जुड़ी शर्तें हैं। देश की संसद में 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया जो कि बहुत ही निराशाजनक है। संसद के विशेष सत्र में लंबी चली बहस में मतभेदों के सुर के आलावा आपसी राजनीति के आलावा कुछ समझ नहीं आया। ज्ञात रहे कि सरकार को इस संशोधन बिल को पास करवाने के लिए दो-तिहाई वोटों की जरूरत थी। लेकिन पक्ष में सिर्फ 298 वोट पड़े। विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम हैं। इस बिल को पास करवाने की नरेंद्र मोदी सरकार की हर कोशिश नाकाम साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरआत्मा की आवाज सुनने वाली अपील भी कुछ खास असर नहीं दिखा पाई। अब सवाल यह है कि अब नहीं तो महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण कब मिलेगा ? जब सितंबर २०२३ में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पास होकर उसका नोटिफिकेशन हो चुका है तो पहले आगामी चुनाव में इसे लागू कर देते और संशोधन बिल लाते रहते ? जब इसे अभी लागू ही नहीं किया तो संशोधन बिल लाने की क्या जरूरत पड़ी। महिलाओं के लिए कोटा 2034 से पहले संभव हो पाएगा या फिर बीच की कोई और राह अभी भी निकल सकती है? महिला आरक्षण बिल फिलहाल तो ठंडे बस्ते में चला गया है। ये कह पाना मुश्किल है कि बिल अब कब लागू हो पाएगा? जबकि यह अब कानून बन चुका है। इसे लागू करना हम सब सांसदों की जिम्मेदारी है।

विपक्ष लगातार ओबीसी महिलाओं के अलग कोटे की मांग कर रहा है। वह आरोप लगा रहा है कि बीजेपी महिला आरक्षण का क्रेडिट तो लेना चाहती है लेकिन ओबीसी महिलाओं को वास्तविक राजनीतिक हिस्सेदारी देने से बच रही है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण पर फैसलों में कहा है कि कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं दिया जा सकता और ओबीसी कोटा के लिए समकालीन, भरोसेमंद तथ्यात्मक डेटा जरूरी है। यही तर्क राष्ट्रीय स्तर पर भी उठेगा। संसद चाहे तो संविधान में संशोधन कर लोकसभा-विधानसभाओं में ओबीसी वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण और उसमें से ओबीसी महिलाओं का उप-कोटा तय कर सकती है। भले ही नई जातिगत जनगणना पूरी नहीं हुई हो। संविधान किसी विशेष डेटा स्रोत को अनिवार्य नहीं ठहराता। लेकिन किस जाति समूह को कितना हिस्सा मिलेगा, इसका आधार तय करने के लिए ठोस, नए और राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य जातिगत आंकड़े जरूरी होंगे। वरना अदालतों में इसे मनमाना मानकर चुनौती दी जा सकती है। अब आगे महिलाओं को ही मुखर होकर आगे आना होगा । इन पार्टियों को समझाना पड़ेगा कि आधी आबादी को संसद से क्यों वंचित रखना चाहते हैं।

अब बात करते हैं इसके बीच के रोडे कि जिसमें परिसीमन की शर्त यानी कानून के अनुसार, संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तभी लागू होगा जब अगली जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। यानी, सीटों की नई सीमाएं तय होने के बाद ही यह आरक्षण लागू होगा। चूंकि अगली जनगणना अभी बाकी है और उसके बाद परिसीमन होना है, इसलिए कानून तुरंत प्रभाव से लागू नहीं हो सकता।

दूसरा कारण जनगणना में देरी। 2021 की जनगणना विभिन्न कारणों से टल गई थी। जब तक नई जनगणना नहीं होती, तब तक परिसीमन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकती। यह देरी सीधे तौर पर महिला आरक्षण के लागू होने को भी टाल रही है। तीसरा कारणः राजनीतिक संतुलन और आशंकाएं यानी परिसीमन के साथ ही राज्यों के बीच सीटों का संतुलन भी बदल सकता है, जिससे खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में प्रतिनिधित्व घटने की आशंका जताई जा रही है। इस कारण यह मुद्दा केवल महिला आरक्षण तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि संघीय ढांचे और राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ जाता है।चौथा

कारणः चरणबद्ध क्रियान्वयन की नीति। सरकार का तर्क है कि इतने बड़े संवैधानिक बदलाव को एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया के तहत लागू करना जरूरी है, ताकि किसी भी प्रकार का प्रशासनिक या राजनीतिक असंतुलन न पैदा हो।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना निस्संदेह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ तब मिलेगा जब इसे समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए। वर्तमान स्थिति यह दशार्ती है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी तेज करना आवश्यक है, अन्यथा यह कानून केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल तभी सार्थक होगी जब 'वंदनइ के साथ 'प्रतिनिधित्व भी वास्तविकता बने।

कोविड 19: जख्मों पर मरहम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मुस्ताअली बोहरा

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के बीच अहम खबर दबकर रह गई। ये खबर जुड़ी है सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से जो कोविड-19 को लेकर दिया गया है। कुछ दिनों पहले ही याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में हृदोष तय किए बिना मुआवजा देने की नीतिह्व तैयार की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई टीकाकरण कार्यक्रम राज्य द्वारा संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के रूप में चलाया जाता है, तो सरकार उन परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती जो टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर दुष्प्रभावों का आरोप लगाते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद कुछ मौतें हुई हैं, इसलिए प्रभावित परिवारों को बिना किसी राहत व्यवस्था के नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) को केवल गलती या लापरवाही के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर प्रतिकूल प्रभावों के लिए ह्लनो-फॉल्ट मुआवजा नीतिह्व तैयार करे। यह आदेश रचना गांगू बनाम भारत संघ समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिन्हें उन परिवारों ने दायर किया था जिन्होंने टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान चलाया गया टीकाकरण कार्यक्रम राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा था और इससे कई लोगों की जान बची। लेकिन यदि सरकारी डेटा यह दिखाता है कि कुछ लोगों की मौत या गंभीर दुष्प्रभाव हुए

हैं, तो राज्य इससे पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। कोर्ट में याचिकाकताओं ने अंतरराष्ट्रीय शोधों का हवाला देते हुए कहा था कि एस्ट्राजेनेका प्लेटफॉर्म (जिसका भारतीय संस्करण कोविशील्ड है) से दुर्लभ रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं के मामले सामने आए हैं और इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलने वाले टीकाकरण कार्यक्रमों में वैज्ञानिक रूप से यह साबित करना कि नुकसान किस कारण हुआ, अक्सर जटिल होता है। ऐसे में केवल लापरवाही साबित करने पर आधारित कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होते, क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी बोझ पड़ता है और परिणाम असंगत हो सकते हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे कई देशों में वैक्सीन से जुड़े दुष्प्रभावों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा योजना मौजूद है, जिससे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता मिल जाती है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सन 2022 में कोर्ट में दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे में कहा था कि टीकाकरण स्वैच्छिक था और लोगों ने जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था, इसलिए सरकार मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। सरकार के अनुसार लोगों ने संभावित जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगवाया था। पाठकों को याद होगा जब भी कोविड वैक्सीन के विपरीत प्रभाव के कारण मौतों की खबर सामने आ रही थी तब सरकार की ओर से कभी जिम तो कभी डांस को मौत का कारण बता दिया जाता था। या फिर कभी किसी मृतक की पुरानी बीमारी जैसे हार्ट डिसीस, या टीबी या ऐसी ही किसी बीमारी की वजह से मौत होना बता दिया जाता था।

पाठकों को बता दें कि एम्स दिल्ली के पैथोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग ने मई 2023 से अप्रैल 2024 तक स्टडी की थी। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित भी हुई है। इसमें हत्या, आत्महत्या और नशे की वजह से मौतों को छोड़कर अचानक होने वाली मौतों पर रिसर्च किया गया। 19-45 साल और 46-65 साल के लोगों की मौतों के डेढ़ सौ से ज्यादा मामलों की जांच हुई। अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में दो तिहाई मौतों की वजह दिल की बीमारियां थी। इन मौतों में अधिकांश मामलों में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज पाई गई, मतलब दिल की नसों में 70 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकेज। इसके अलावा युवाओं की मौत के एक तिहाई मामलों में सांस से जुड़ी बीमारियां जैसे न्यूमोनिया, टीबी को पाया गया। बीस फीसदी मामलों में मौतों की कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल सकी। एम्स की स्टडी में बताया गया है कि इन मौतों के मामलों में औसत उम्र सिर्फ 30.5 साल थी। इसमें सबसे ज्यादा मामले 30-40 साल की उम्र के 50 प्रतिशत और 20-30 साल की उम्र के 40 प्रतिशत लोगों के थे। आधे मामलों में जब दिल की टिश्यू की बारीक जाँच (हिस्टोपैथोलॉजी) की गई, तो उसमें दिल में कुछ हल्के-मामूली बदलाव दिखे जैसे दिल की मांसपेशियाँ थोड़ी मोटी हो जाना, धमनियों में चर्बी की पतली परत जमना या दिल के छोटे-छोटे हिस्सों में खून की हल्की कमी के निशान का मिलना। स्टडी में कहा गया कि ये बदलाव इतने गंभीर नहीं थे कि मौत का सीधा कारण बन सकें। एम्स स्टडी में युवाओं की अचानक मौतों का सबसे बड़ा कारण दिल से जुड़ी बीमारियां बताई गई हैं। इसके अलावा सांस की समस्याएँ और हार्ट अटैक आदि की मुख्य वजह बताई गई है। हालांकि, एम्स दिल्ली की स्टडी और रिपोर्ट पर दिगर विशेषज्ञ चिकित्सक भी सवालिया निशान लगा चुके हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में पुणे डॉक्टर अमिताभ बनर्जी ने कहा था कि स्टडी में करीब बीस प्रतिशत मामलों में मौत का कारण पता नहीं चला, क्या इन अज्ञात मामलों में कोविड वैक्सीन का कोई रोल तो नहीं? डॉक्टर अमिताभ बनर्जी भारत में इस्तेमाल हुई कोविशील्ड वैक्सीन के संदर्भ में कहते हैं यूरोप के कई देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को दुर्लभ लेकिन गंभीर साइड इफेक्ट्स जैसे ब्लड क्लॉट्स की वजह से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। उन्होंने एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के उत्पादन बंद होने पर भी सवाल उठाया था। कोरोना का टीका बनाने वाली फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ये माना था कि उसके वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सीन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस विद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसी स्थिति हो सकती है। एस्ट्राजेनेका ने ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। खैर ये माना जा सकता है कि ये साइड इफेक्ट्स रेयरेस्ट ऑफ द रेयर है लेकिन जब करोड़ों लोगों पर इसका उपयोग हो तो प्रभावितों की संख्या में अधिक हो सकती है। एम्स की रिपोर्ट भले ही ये कहती हो कि वैक्सीन का अचानक हुई मौतों खासकर युवाओं की मौतों, से कोई संबंध नहीं है लेकिन एम्स को अपनी स्टडी में यह भी बताना था कि फिर आखिर वे कौन से कारण हैं जिनसे युवाओं की अचानक मौतें हुई। अचानक होने वाली मौतों का सिलसिला तो अभी भी जारी है। बहरहाल, कोरोना का असर वैश्विक था। लेकिन, जितनी मौतें भारत में हुईं शायद ही किसी और देश में इतनी मौतें हुईं हों खासकर युवाओं की। जो भी हो, शीर्ष अदालत के इस फैसले से उन पीड़ितों को जरूर राहत मिलेगी जो वैक्सीन के विपरीत असर की वजह से पीड़ित हैं। सुप्रीम कोर्ट का ये निर्णय मृतकों के परिजनों और पीड़ितों के जख्म पर मरहम का काम जरूर करेगा।

संक्षिप्त समाचार

जंग का असर : जेट फ्यूल की कीमतें दोगुनी, एयर कनाडा 5 महीने तक जेएफके एयरपोर्ट के लिए उड़ानें बंद रखेगी

टोरंटो, एजेंसी। एयर कनाडा एयरलाइंस ने ईरान युद्ध के चलते जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण न्यूयॉर्क के जॉन एफ. केनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए अपनी उड़ान सेवाएं लगभग पांच महीने के लिए निलंबित करने का फैसला किया है। एयरलाइन ने शुक्रवार को बताया कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल से न्यूयॉर्क के लिए उड़ानें 1 जून से बंद हो जाएंगी और 25 अक्टूबर से फिर शुरू की जाएंगी। हालांकि, न्यूयॉर्क क्षेत्र के अन्य दो हवाई अड्डों ला गार्डिया और नेवार्क के लिए सेवाएं जारी रहेंगी। एयर कनाडा के प्रवक्ता के अनुसार, 'ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से जेट फ्यूल की कीमतें दोगुनी हो गई हैं, जिससे कम मुनाफे वाले रूट्स आर्थिक रूप से व्यवहारिक नहीं रह गए हैं। इसी के चलते शेड्यूल में बदलाव किया जा रहा है।' आंकड़ों के मुताबिक, जेट फ्यूल की औसत कीमत बढ़कर 4.32 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है, जो युद्ध से पहले 2.50 डॉलर प्रति गैलन थी। हालांकि, शुक्रवार को जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का एलान किया तो तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईंधन और श्रम लागत एयरलाइंस के लिए सबसे बड़े खर्च होते हैं। जेटब्लू और यूनाइटेड एयरलाइंस जैसी कंपनियां बैगेज फीस बढ़ा रही हैं, जबकि लुफ्थांसा और केएलएम जैसी एयरलाइंस को कुछ रूट्स पर सेवाएं कम करनी पड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के निदेशक फातिह बिरोल ने चेतावनी दी है कि यूरोप के पास जेट फ्यूल का भंडार करीब छह हफ्तों का ही बचा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बड़े ऊर्जा संकट का सामना कर सकती है।

म्यांमार में कैदियों की सजा माफ, पूर्व राष्ट्रपति रिहा

नेप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में देश के नव वर्ष के उपलक्ष्य में 4,500 कैदियों को माफी दी गई है। यह माफी शुक्रवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति विन म्यिंट को भी दी गई। नव-राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग द्वारा घोषित व्यापक कैदी माफी योजना के तहत उन्हें रिहा कर दिया गया है। सरकारी मीडिया ने कहा, अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस माफी में सैन्य शासन का विरोध करने के आरोप में कैद किए गए लोग भी शामिल हैं अथवा नहीं। पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई के भी संकेत नहीं हैं। पूर्व राष्ट्रपति विन म्यिंट देश की नेता रही सू की के लंबे समय से वफादार रहे हैं और 2018 में राष्ट्रपति चुने गए थे। उन्हें 1 फरवरी, 2021 को गिरफ्तार किया गया, उसी दिन सेना ने सत्ता पर कब्जा कर कर सू की को हिरासत में ले लिया था। राजधानी नेपीतॉ के एक वरिष्ठ सैन्य अफसर ने बताया कि पूर्व नेता आंग सान सू की को क्षमादान के तहत नजरबंद किया जाएगा। इस बीच, सू की (80) के वकील ने कहा, सू की की सजा में एक-छठे हिस्से की कटौती की गई है।

नई कूटनीतिक पहल के बीच हवाना में मिले अमेरिका और क्यूबा के अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में क्यूबा की राजधानी हवाना पहुंचा। यहां उन्होंने क्यूबा सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक की। साल 2016 के बाद यह पहली बार है जब अमेरिका का कोई सरकारी विमान हवाना में उतरा है। विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह की यात्रा के दौरान विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्यूबा के सेवानिवृत्त नेता राउल कास्त्रो के पोते से मुलाकात की। हालांकि, इस दल में विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल नहीं थे। अमेरिका ने क्यूबा के सामने अपनी अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था में बड़े बदलाव करने की शर्त रखी है। अमेरिका चाहता है कि क्यूबा राजनीतिक कैदियों को रिहा करे और लोगों का दमन बंद करे। इसके बदले में अमेरिका क्यूबा पर लगी पाबंदियों को कम कर सकता है।

अमेरिका ने ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया समूहों के सात वरिष्ठ कमांडरों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन समूहों में कताइब हिजबुल्ला और असाइब अहल अल-हक जैसे संगठन शामिल हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इन कमांडरों पर क्षेत्र में अमेरिकी कर्मियों और गठबंधन बलों पर हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने का आरोप है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह कदम इराक में ईरान के प्रभाव को कम करने और अमेरिकी हितों के खिलाफ आगे की हिंसा को रोकने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। यह कार्रवाई इस बात का भी संकेत है कि अमेरिका केवल सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव का इस्तेमाल कर ईरान के सहयोगी नेटवर्क को निशाना बना रहा है। साथ ही, वैश्विक बैंकों और कंपनियों को चेतावनी दी गई है कि वे इन समूहों से जुड़े लोगों के साथ कारोबार न करें। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, 'हम ईरान समर्थित इराकी आतंकवादी मिलिशिया को अमेरिकी नागरिकों या हितों को खतरे में डालने की अनुमति नहीं देंगे।

भारत की ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता के लिए न्यूक्लियर पावर जरूरी है : पूर्व अमेरिका ऊर्जा सचिव

स्टैनफोर्ड , एजेंसी। अमेरिका के पूर्व ऊर्जा सचिव और नोबेल पुरस्कार विजेता स्टीवन चू ने कहा कि न्यूक्लियर पावर भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता का आधार बन सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि भूराजनीतिक तनाव ग्लोबल फ्यूल मार्केट की कमजोरियों को सामने ला रहे हैं। स्टीवन चू ने भारत के साथ क्लीन एनर्जी सहयोग बढ़ाने के समय अमेरिकी एनर्जी पॉलिसी का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत रहे हैं और सतत व टिकाऊ लक्ष्यों पर केंद्रित रहे हैं। उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को एक इंटरव्यू में बताया, 'जब मैं ऊर्जा सचिव था, तो भारत में अपने समकक्षों के साथ मेरे बहुत करीबी और अच्छे संबंध थे।

वे उन दिनों सस्टेनेबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, इन सभी चीजों को लेकर बहुत गंभीर थे। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि भारत इन आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। शायद अमेरिका में थोड़ी रुकावट आई है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि हम इस प्रतिबद्धता पर वापस लौटेंगे।' चू ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बड़ी अर्थव्यवस्था को मिलकर काम करना होगा और कहा, 'भविष्य में दुनिया को आगे ले जाने में भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे बड़े देशों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। ये देश मिलकर ही दुनिया की दिशा तय करेंगे।' भविष्य में सहयोग के क्षेत्र पर, उन्होंने न्यूक्लियर एनर्जी और नई रिएक्टर टेक्नोलॉजी की ओर इशारा किया और कहा, 'मुझे लगता है कि भारत ब्रीडर रिएक्टर डेवलप कर रहा है, जो बहुत बढ़िया है। ये फास्ट टर्म रिएक्टर हैं जो कन्वेंशनल सिजन रिएक्टर के लिए बहुत सारा फ्यूल जलाने में मदद करते हैं।' उन्होंने हाल के झगड़ों को घरेलू ऊर्जा सुरक्षा को लेकर नई जरूरत से जोड़ा और कहा, 'मुझे लगता है कि हाल के युद्धों (यूक्रेन और ईरान) ने एनर्जी सिक्योरिटी, सीमाओं के अंदर एनर्जी एक्सेस को इसका बहुत जरूरी हिस्सा बना दिया है।' चू ने कहा कि न्यूक्लियर पावर स्टेबल सप्लाई सुनिश्चित करने में साफ फायदा देती है।

उन्होंने कहा, 'मैं न्यूक्लियर को वहां देखता हूं जहां अपने देश के भीतर ही ईंधन डालकर सीमित स्थान में ऊर्जा उत्पादन किया जा सकता है और इससे लंबे समय तक ऊर्जा मिलती रहती है। इसके विपरीत, प्राकृतिक गैस की उपलब्धता आमतौर पर हफ्तों या अधिकतम कुछ महीनों तक ही मापी जाती है।' यह पूछे जाने पर कि क्या न्यूक्लियर एनर्जी भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद कर सकती है, चू ने कहा, 'हां, जब तक वे यह पता लगा लें कि बजट में, समय पर रिएक्टर कैसे बनाए जाएं। उन्होंने एफिशिएंसी के उदाहरण के तौर पर रिएक्टर बनाने के लिए चीन के तरीके का जिक्र किया और कहा, 'चीन ने यह पता लगा लिया है। उनके पास दो दर्जन रिएक्टर हैं जो बजट में, समय पर हैं और वे सीखने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। वे रिएक्टर एक से दो, तीन से चार बनाने के लिए एक ही क्रू का इस्तेमाल करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया को इस उदाहरण को फॉलो करना चाहिए। मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं फैसले का बहुत बड़ा फैन हूं।' चू ने न्यूक्लियर वेस्ट के डिस्पोजल को लेकर चिंताओं पर भी बात की और कहा कि इसे तकनीकी नवाचार से मैनेज किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'डिस्पोजल एक हल होने वाली समस्या है।' उन्होंने नई तकनीक के बारे में बताया जिन पर काम किया जा रहा है और कहा, 'मैं एक समूह का सलाहकार हूं जो उन तकनीकों को देखने की कोशिश कर रहा है, जिनका इस्तेमाल ऑयल ड्रिलिंग में एक किलोमीटर नीचे बोरहोल ड्रिल करने के लिए किया जाता है और फिर साइड में न्यूक्लियर डिस्पोजल को बिना किसी मानव के कनस्तरों में जमा करने के लिए किया जाता है।' उन्होंने कहा कि ऐसे तरीकों से लागत कम हो सकती है और स्टोरेज के विकल्प बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'इसमें और भी कई जियोलॉजिकल साइट्स उपलब्ध कराने की क्षमता है। लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि इसकी लागत कम होगी।' उन्होंने आगे कहा, 'मानवयुक्त और मानवरहित अंतरिक्ष उड़ानों के बीच अंतर बहुत बड़ा होता है, यह लगभग दिन और रात जैसा फर्क है। यदि बिना सुरंगों और वेंटिलेशन शाफ्ट बनाए संसाधनों को जमा करना संभव हो सके, तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी।' चू ने कहा कि ये तरक्की न्यूक्लियर पावर को फिर से शुरू करने की बात को मजबूत करती है। उन्होंने कहा, 'मैं न्यूक्लियर को एक नया रूप देते हुए देखने में बहुत दिलचस्पी रखता हूं।' जीवाश्म ईंधन को लेकर उन्होंने ग्लोबल सप्लाई में अमेरिका की बढ़ती भूमिका पर ध्यान दिया, लेकिन इसके दबदबे को ज्यादा आंकने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अमेरिका बड़े पैमाने पर दुनिया में जीवाश्म ईंधन का बड़ा सप्लायर बन गया है।' साथ ही, उन्होंने ग्लोबल मार्केट के आपस में जुड़े होने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'सिर्फ इसलिए कि अमेरिका अब एक बड़ा खिलाड़ी है, इसका मतलब यह नहीं है कि मिडिल ईस्ट, रूस, ये सभी दूसरे देश इस सप्लाई का हिस्सा हैं। इसलिए हमें दुनिया में थोड़ी और स्थिरता चाहिए।' गल्फ में संकट की बात करते हुए, चू ने लंबे समय तक चलने वाले आर्थिक प्रभाव की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि ब्लॉकेड, सब कुछ खत्म हो जाएगा। इसका कोई मकसद नहीं है।' उन्होंने कहा, 'थोड़ी रुकावट के भी लंबे समय तक चलने वाले नतीजे हो सकते हैं। ज्यादातर ऑयल प्रोडक्शन, गैस प्रोडक्शन इंफ्रास्ट्रक्चर को बचाकर रखा गया है।

ईरान ने नहीं मानी बात तो सीजफायर नहीं बढ़ाएगा अमेरिका: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच सख्त तेवर अपना लिए हैं। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि चल रही बातचीत विफल रहती है तो अमेरिका न केवल युद्धविराम की अवधि बढ़ाने से इनकार कर सकता है, बल्कि ईरान की परमाणु सामग्री को 'कठोर तरीके' से अपने नियंत्रण में ले सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि परमाणु सामग्री के शांतिपूर्ण हस्तांतरण के लिए कोई समझौता नहीं होता है तो अमेरिका इसे बेहद बुरे तरीके से सुरक्षित करेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि सोमवार को दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच नए दौर की बातचीत हो सकती है, हालांकि अमेरिका ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है।

होर्मुज पर गतिरोध बरकरार : दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर गतिरोध बरकरार है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए साफ कहा कि इस मार्ग से

गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल नहीं लगने दिया जाएगा। उन्होंने उन जहाजों को रोकने की धमकी दी है जो ईरान को टोल का भुगतान करेंगे। वहीं, ईरान के संसद अध्यक्ष ने कहा है कि यदि अमेरिका ने अपनी नौसैनिक नाकेबंदी नहीं हटाई तो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से बंद कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि शुक्रवार को वहां से गिने-चुने जहाज ही गुजर सके। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के खुलने की खबरों से बहुत खुश हैं। ट्रंप अगले महीने बीजिंग में शी जिनपिंग के साथ एक ऐतिहासिक बैठक करने वाले हैं। इस बीच, अमेरिका ने तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों में एक बार फिर अस्थायी ढील दी है।

हमें मध्यावधि चुनाव जीतने ही होंगे: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एरिजोना में 'टर्निंग पॉइंट अमेरिका' के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की आर्थिक और विदेश नीति की सफलताओं का जमकर बखान किया। ट्रंप ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे आने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को भारी बहुमत से जीत दिलाएं। ट्रंप ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। लोगों की कमाई बढ़ी है और निवेश के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने महंगाई पर काबू पा लिया है। ट्रंप के अनुसार, अब अमेरिकी श्रमिक खुशहाल हैं, देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और पूरी दुनिया में अमेरिका का मान बढ़ा है। 2024 के चुनावों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ने सभी 7 स्विंग राज्यों में जीत दर्ज की है। उन्होंने इलेक्टोरल कॉलेज के साथ-साथ जनता के वोटों (पॉपुलर वोट) में भी बढ़त हासिल की। उन्होंने इसे एक 'ऐतिहासिक जीत' बताया। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि मध्यावधि चुनाव जीतना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर ज्यादा से ज्यादा लोग वोट डालने निकलेंगे, तो उनकी जीत पक्की है। विदेश नीति के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा। उन्होंने बातचीत में हुई प्रगति का भी दावा किया। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब व्यापार के लिए खुला है, लेकिन वहां अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी बनी रहेगी। ट्रंप ने नाटो सहयोगियों की आलोचना करते हुए उन्हें 'बेकार' बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दुनिया की सबसे ताकतवर सेना तैयार की है। ट्रंप ने इस्रायल और लेबनान के बीच हुए संघर्ष-विराम का श्रेय अपनी कूटनीति को दिया। उन्होंने इस काम में मदद के लिए पाकिस्तान और खाड़ी देशों का आभार जताया। सीमा सुरक्षा पर उन्होंने दावा किया कि हाल के महीनों में एक भी घुसपैठिया देश में नहीं घुस पाया है। उन्होंने बताया कि फेंटानिल की तस्करी में 59 प्रतिशत और समुद्री रास्ते से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी में 97 प्रतिशत की कमी आई है। ट्रंप ने अपनी सरकार की कर कटौती और नियमों में ढील को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए कहा कि वे खुली सीमाओं का समर्थन करते हैं और अपराधियों को बचाते हैं।

एक घंटे में 7 दावे, सभी झूठे...ईरान ने खोली डोनाल्ड ट्रंप की पोल, होर्मुज नाकेबंदी वाले बयान बताया फर्जी

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक बातचीत की कोशिशों के साथ-साथ तनाव और बयानबाजी भी लगातार तेज होती जा रही है। इस बार विवाद का केंद्र फिर से रणनीतिक रूप से बेहद अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है, जिस पर दोनों देशों के बीच तीखी बयानबाजी सामने आई है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बगेर गालिबफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी जारी रखता है, तो ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर देगा। यह बयान ट्रंप द्वारा नाकाबंदी को 'पूरी तरह लागू' रखने की घोषणा के कुछ ही समय बाद आया, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान की अनुमति जरूरी : मोहम्मद बगेर गालिबफ ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि होर्मुज से आने-जाने का मार्ग केवल ईरान की अनुमति और तय नियमों के अनुसार ही संचालित होगा, और किसी भी प्रकार की नाकाबंदी स्वीकार नहीं की जाएगी। दिलचस्प बात यह है कि यह सख्त बयान उस घोषणा के तुरंत बाद आया जिसमें ईरान ने युद्धविराम की अवधि के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने की बात कही थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि लेबनान संघर्ष से जुड़े युद्धविराम के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है, और जहाजों की आवाजाही पहले से तय समन्वित रूट के तहत होगी। ट्रंप ने किया का नाकेबंदी का दावा उधर, डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने रुख को सख्त रखते हुए कहा है कि जब तक ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता, तब तक होर्मुज क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक दबाव और नाकाबंदी जारी रहेगी। उन्होंने दावा किया कि बातचीत में अधिकांश मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि अगर वार्ता विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई भी दोबारा शुरू की जा सकती है। ट्रंप के बयानों पर पलटवार करते हुए गालिबफ ने उन पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि ट्रंप ने एक ही घंटे में कई भ्रामक दावे किए हैं। हालांकि उन्होंने इन दावों का विस्तृत विवरण नहीं दिया। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर गहरा असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसके किसी भी तरह के बंद या बाधित होने से अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर गहरा असर पड़ सकता है। पहले भी तनाव के दौरान यहां जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई थी, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई थी। फिलहाल स्थिति यह है कि ईरान ने मार्ग खोलने का संकेत भी दिया है और बंद करने की धमकी भी दी है, जबकि अमेरिका नाकाबंदी बनाए रखने की बात कर रहा है। इस असमंजस और तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियां स्पष्ट सुरक्षा गारंटी का इंतजार कर रही हैं। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा।

पाकिस्तान सेना-बलोच विद्रोहियों में भीषण गोलीबारी, सैकड़ों हताहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सेना व बलोच विद्रोहियों में भीषण गोलीबारी चल रही है। स्थिति यह है कि सैन्य अभियानों के बीच खारान, खुजदार और मस्तुंग सहित कई जिलों में हिंसा से विद्रोह और व्यापक हो गया है। सेना-विद्रोहियों में सशस्त्र झड़पों के बीच बड़ी संख्या में सैकड़ों की संख्या में आम नागरिक हताहत हुए हैं। हालांकि, सीमित पहुंच के कारण इन खबरों पर पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बल खामोशी बनाए हैं। जबकि खारान में नया सैन्य अभियान शुरू होने का दावा निवासियों ने किया। सेना ने अलमार्क और किसान जैसे इलाकों में तड़के एक अभियान शुरू कर दिया। इस अभियान के दौरान, कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने सेना के

दस वाहनों के काफिले पर घात लगाकर हमला किया और दोनों पक्षों में गोलीबारी शुरू हो गई। स्थानीय लोगों ने अपने ऊपर ड्रोन उड़ने की भी जानकारी दी, लेकिन हताहतों या अभियान के नतीजों के बारे में कोई भी पुष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारी इन घटनाक्रमों पर चुप्पी साधे हैं। इसके बाद सोहिंदा में काफी देर तक गोलीबारी होती रही। यह झड़प कई घंटों तक चली। इस दौरान क्षेत्र में ड्रोन उड़ते भी देखे गए।

बलूचिस्तान के बरखान जिल में अंधाधुंध सैन्य गोलीबारी में आम नागरिकों के हताहत होने की खबरें सामने आई हैं। यहां बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने हाल ही में हुई बमबारी और गोलाबारी की निंदा कर इसे सामूहिक सजा का कृत्य बताया है। इस अभियान में कई गैर-लड़ाकों की मौत हो गई, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। बीवाईसी ने घटना को बेहद दुखद और निंदनीय त्रासदी बताया।

होर्मुज खुलने से बेहद खुश हैं शी जिनपिंग', ट्रंप का बड़ा दावा; दुनिया की नजर चीन पर टिकी

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की खबर से बहुत खुश हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान ने स्पष्ट किया है कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही पर तेहरान का कड़ा नियंत्रण रहेगा। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि वे चीनी राष्ट्रपति के साथ अपनी आगामी बैठक का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह बैठक ईरान के साथ चल रहे तनाव के कारण पहले अप्रैल के लिए निर्धारित थी, जिसे अब मई के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। होर्मुज के पूरी तरह से खुलने पर अब भी संशय बरकरार यह टिप्पणी ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ द्वारा ट्रंप पर की गई आलोचना के बाद आई है। गालिबाफ ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर ट्रंप के उस बयान पर पलटवार किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी तब तक जारी रहेगी जब तक तेहरान के साथ एक पूर्ण समझौता अंतिम रूप से तय नहीं हो जाता। गालिबाफ ने अपने पोस्ट में जोर देकर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर तेहरान का कड़ा

नियंत्रण होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मार्ग से गुजरने की अनुमति केवल निर्धारित रास्तों से और ईरानी अनुमोदन के तहत ही दी जाएगी। यह बयान ट्रंप द्वारा 'ट्रुथ सोशल' पर यह घोषित करने के बाद आया कि ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी तब तक जारी रहेगी जब तक तेहरान के साथ एक व्यापक शांति समझौता अंतिम रूप से तय नहीं हो जाता। ट्रंप ने कहा था 'नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह से प्रभावी रहेगी, जो केवल ईरान से संबंधित है, जब तक कि ईरान के साथ हमारा लेन-देन 100% पूरा नहीं हो जाता।' अमेरिका-चीन बैठक पर दुनिया की नजर ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात अब 14-15 मई को चीन में तय की गई है। पहले यह बैठक अप्रैल में होनी थी, लेकिन ईरान में अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन के कारण इसे टाल दिया गया था। इस मुलाकात को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि इससे वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति पर बड़ा असर पड़ सकता है।

पीएम नेतन्याहू का बड़ा बयान, लेबनान सीजफायर के बाद बोले- हिजबुल्लाह का काम पूरा नहीं हुआ

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल और लेबनान के बीच एक अस्थायी सीजफायर लागू होने के बाद मध्य पूर्व के हालात कुछ शांत दिख रहे हैं। लेकिन Israel के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने एक कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि हिज़्बुल्लाह मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष अनुरोध पर इस संघर्ष विराम को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दी गई थी। नेतन्याहू ने पूरी दुनिया को साफ किया है कि हिजबुल्लाह को पूरी तरह नष्ट करने का उनका बड़ा लक्ष्य अभी भी बाकी है।

Israel के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी सेना ने लेबनान में बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि ढ्ढह्यह्म्ड्डद्गद्य ने हिजबुल्लाह के करीब 90 प्रतिशत मिसाइल और रॉकेट भंडारों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। इसके बावजूद उन्होंने यह साफ किया कि इस आतंकवादी समूह को जड़ से खत्म करने का काम अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

ट्रंप का अहम बयान : प्रधानमंत्री नेतन्याहू का यह सख्त बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक अहम सोशल मीडिया पोस्ट के ठीक बाद सामने आया है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा था कि अमेरिका ने Israel को लेबनान पर आगे और बमबारी करने से पूरी तरह रोक दिया है। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी साफ तौर पर कहा कि दोनों देशों के बीच यह खूनी युद्ध अब बहुत हो गया है।

लेबनान सरकार का फैसला : इस सीजफायर के बीच लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी अपने देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राजधानी बेरूत समेत पूरे गवर्नरेट पर बहुत ही जल्द पूरी तरह से अपना कंट्रोल वापस ले लेगी। इसके बाद लेबनान में हथियारों का इस्तेमाल सिर्फ सरकारी फौजों तक ही सीमित रहेगा

ताकि निर्दोष नागरिकों की पूरी रक्षा हो सके।

हिजबुल्लाह की मुख्य शर्तें त्न दूसरी ओर लेबनान के हथियारबंद गुट हिजबुल्लाह ने पूरी सावधानी बरतते हुए इस नए संघर्ष विराम का कुछ हद तक समर्थन किया है। उन्होंने शर्त रखी है कि सीजफायर लेबनान के पूरे क्षेत्र को कवर करे और Israel की सेना वहां से पूरी तरह वापस चली जाए। इस समूह ने यह भी दावा किया है कि यह संघर्ष विराम मुख्य रूप से उनके सहयोगी देश ईरान के भारी दबाव के कारण ही संभव हो सका है।

भयानक तबाही का मंजर : लेबनान में 2 मार्च से इजरायली हमलों के कारण भारी तबाही हुई है और आम लोगों को बहुत ही ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इन भयंकर हमलों में अब तक मारे गए लोगों की संख्या 2,294 तक पहुंच चुकी है। इसके अलावा इस भीषण युद्ध के दौरान पूरे लेबनान में कम से कम 7,544 लोग बुरी तरह से घायल भी हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है।

सीधी बातचीत का विरोध : हिजबुल्लाह ने लेबनानी सरकार द्वारा Israel के साथ सीधी बातचीत शुरू करने की कड़ी निंदा करते हुए अपनी गहरी नाराजगी जताई है। उनका मानना है कि इजरायल के साथ किसी भी तरह की सीधी कूटनीतिक बातचीत उनके संगठन के मूल सिद्धांतों के बिल्कुल खिलाफ है। इसलिए मध्य पूर्व में हालात अभी भी काफी नाजुक बने हुए हैं और भविष्य में कभी भी हालात बदलकर फिर से युद्ध में बदल सकते हैं।

ट्रंप से नहीं डरा श्रीलंका! ईरान के 238 नाविकों को भेजा घर : कोलंबो, एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच श्रीलंका ने बड़ा फैसला लिया है। श्रीलंका में दो ईरानी नौसैनिक जहाजों के 238 नाविकों को स्वदेश भेज दिया गया है। इनमें से एक पर अमेरिकी पनडुब्बी ने हमला किया था और दूसरे का इंजन फेल हो गया था। यह जानकारी यहां रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को दी। रिपोर्ट के मुताबिक, 4 मार्च को आईरिस डेना नामक ईरानी युद्धपोत को अमेरिकी पनडुब्बी ने निशाना बनाया था। यह जहाज भारत में हुए एक नौसैनिक अभ्यास से लौट रहा था। इस हमले में बड़ी संख्या में नाविकों की मौत हुई, जबकि कई घायल हो गए। श्रीलंकाई नौसेना ने बचाव अभियान चलाकर 32 नाविकों को जिंदा बचाया और करीब 87 शव बरामद किए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आईपीएल में आज होगा गुजरात और मुम्बई का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। शुभमन गिल की कप्तानी में उतर रही गुजरात ने शुरुआती झटकों से वापसी करते हुए पिछले तीन मैचों में शानदार जीत हासिल की है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के पास बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्श और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज जबकि गेंदबाजी मे प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खाना जैसे गेंदबाज हैं। दूसरी ओर हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। जिससे टीम दबाव में है और वह किसी भी हाल में इस मैच में जीत चाहेंगी। टीम की बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी है जिसे उसे दूर करना होगा। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण ये मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के पास सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाज और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उसका अब तक का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अपने पिछले पांच मैचों में से चार हारी है। वह घरेलू मैदान में गुजरात टाइटंस का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। यहां उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए चारों मैच जीते हैं, जिससे इस मुकाबले में गुजरात को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। अब तक दोनो के बीच 5 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 5 गुजरात जबकि 3 मुम्बई ने जीते हैं।

इस मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी है। ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यहां का औसत स्कोर 200 के करीब है।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस

शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा

मुंबई इंडियंस

हार्दिक पांड्या (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, मिचेल सैंटनर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल बढ़ा सकती है बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाला बढ़ाया जाना तय नजर आता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई साल 2027 एकदिवसीस विश्वकप को देखते हुए अगरकर का करार एक साल बढ़ा सकती है। अगरकर का कार्यकाल इसी साल जून में समाप्त होने वाला है। बोर्ड का मानना है कि विश्वकप से पहले चयन समिति में कोई बदलाव नहीं होना चाहिये। बीसीसीआई अगरकर की उपलब्धियों से भी संतुष्ट है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने आईसीसी टी20 विश्वकप के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। वहीं टीम 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।

बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार अगरकर के कार्यकाल में टीम में तेजी से बदलाव हुआ और कई कठिन फैसले बिना किसी दबाव के लिए गये। जिससे बोर्ड प्रभावित है।

ऐसे में बोर्ड के अंदर सभी चाहते हैं कि विश्वकप से पहले चयन समिति में बदलाव ठीक नहीं रहेगा।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार का पद खतर में है। सूर्या ने टीम को जीत दिलायी है पर रन नहीं बनाये हैं, ऐसे में उनकी बल्लेबाजी को लेकर बोर्ड संतुष्ट नहीं है।

ऐसे में जून-जुलाई में होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे में सूर्यकुमार को हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह दौरा तय करेगा कि उन्हें 2028 तक टीम की योजनाओं में शामिल रखा जाएगा या नहीं। खासकर उनकी बल्लेबाजी पर ज्यादा नजर रहेगी।

क्लासेन ऑरेन्ज कैप, कंबोज पर्पल कैप की रेस में नंबर एक पर पहुंचे

चेन्नई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए मैच के बाद आईपीएल के इस 19 वें सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर पहुंच गये हैं, वहीं सबसे अधिक विकेट के मामले में सीएसके के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज नंबर एक पर पहुंचने के साथ ही पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो क्लासेन ने इस मैच में 59 रनों की पारी खेलकर अब तक सत्र में सबसे अधिक रनों के मामले में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए।

क्लासेन के अब 6 मैचों में 283 रन हो गये हैं। वहीं शुभमन ने 4 मैचों में 251 रन बनाए हैं जबकि विराट के नाम 6 मैचों में 247 रन हैं। वहीं आरसीबी के रजत पाटीदार ने 6 मैचों में 230 रन बनाए हैं जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन ने 6 मैचों में 213 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो सीएसके के गेंदबाज अंशुल कंबोज इस मैच के साथ ही सबसे अधिक विकेट

लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। कंबोज इसी के साथ ही पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गये हैं।

कंबोज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में अच्छी गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। इसी के साथ ही उन्होंने प्रसिद्द कृष्णा को पीछे छोड़ा। कंबोज के अब कुल 13 विकेट हो गये हैं जबकि कृष्णा के नाम 11 विकेट हैं। अंशुल ने 6 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने 6 मैच में 10 विकेट जबकि प्रिंस यादव ने 5 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। एक समय शीर्ष पर चल रहे रवि बिश्नोई अब काफी पीछे हो गये हैं। उनके नाम पर 8 हैं।

आईपीएल2026 : रिंकू सिंह का अर्धशतक, केकेआर ने राजस्थान को हराकर पहली जीत दर्ज की

कोलकाता (एजेंसी)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह (नाबाद 53) और अनुकूल रॉय (नाबाद 29) रनों की पारियों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को दो गेंदें शेष रहते राजस्थान रॉयल्स (RR) चार विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह 7 मैचों में चक्रकी पहली जीत है। 85 रन पर छह विकेट गंवा चुकीचक्रको रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय की जोड़ी ने 19.4 ओवरों में 161 रन बनाकर चार विकेट से जीत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच 76 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी KKR की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहली ही गेंद पर टिम साइफर्ट और दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर कप्तान अजिंक्या रहाणे को बिना खाता खोले ही विकेट गंवा दिये। पांचवें ओवर में KKR का तीसरा विकेट कैमरन ग्रीन 13 गेंदों में (27) रन के रूप में गिरा। सातवें ओवर में अंगकृष रघुवंशी (10) रन बना कर पवेलियन लौट गये। रोवमन पॉवेल 20 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 14वें ओवर में रमनदीप सिंह (10) रन बनाकर छठें विकेट के रूप में आउट हुए।

संकट के समय रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय ने संभला और रन बटोरे और दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को टूर्नामेंट में पहली जीत दिलाई। रिंकू सिंह ने बृजेश शर्मा की गेंद पर विजयी छक्का लगाया। रिंकू सिंह ने 34 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 53 रन बनाये। वहीं अनुकूल रॉय 16 गेंदों 29 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का भी लगाया। क्रमके लिए रवींद्र जडेजा ने दो विकेट लिये। जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और यश पुंजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर RR ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी ने तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़कर राजस्थान रॉल्यस को अच्छी शुरुआत दिलाई। नौवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने वैभव सूर्यवंशी को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। वैभव सूर्यवंशी ने 28 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए 46 रन बनाये। 11वें ओवर में वरुण ने ध्रुव जुरेल (पांच) का शिकार कर लिया। अगले ओवर में सुनील नारायण ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर RR को बड़ा झटका दिया।

जायसवाल ने 29 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 39 रन बनाये। इसके बाद KKR के गेंदबाजों ने क्रमके लगातार विकेट झटकते हुए उनके रन बनाने पर विराम लगा दिया। कप्तान रियान पराग (12) को भी वरूण चक्रवर्ती ने आउट किया। डॉनोवन फ़रेरा (सात) का सुनील नारायण ने शिकार किया। रवींद्र जडेजा (नौ) और रवि बिश्नोई (शून्य) को कार्तिक त्यागी ने आउट किया। RR ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 155 रनों का स्कोर बनाया। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कार्तिक त्यागी और वरुण चक्रवर्ती ने तीन- तीन विकेट लिये। सुनील नारायण को दो विकेट मिले।

सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको को हराकर कोपा डेल रे का खिताब जीता

सेविले (स्पेन)। रियाल सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको मैड्रिड को हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फाइनल मैच अतिरिक्त समय के बाद 2-2 से बराबरी पर था जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया। सोसिडाड के गोलकीपर उनाई मैरेरो ने अलेक्जेंडर सोरलॉथ और जूलियन अल्वारेज़ के शॉट को बचाया। इसके बाद पाब्लो मारिन ने अंतिम किक को गोल में बदला जिससे सोसिडाड ने शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की। अमेरिका के पेलेग्रिनो माटाराज़ो के सोसिडाड का कोच बनने के बाद स्पेन के क्लब की यह पहली जीत है। माटाराजो ने कहा, 'यह अविश्वसनीय सफर रहा है और मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत हो सकती है।'

रुतुराज ने सनराइजर्स से हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में लगातार दूसरी हार पर निराशा जतायी है। सीएसके को सनराइजर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा है।रुतुराज ने हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में 195 रनों के लक्ष्य की पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई. रुतुराज ने कहा कि हमारी टीम के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन किया पर मध्यक्रम के अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं ले पाये। उन्होंने कहा, 'जिस प्रकार से सनराइजर्स ने बल्लेबाजी की उससे लगा कि वे पावरप्ले में 220 से 230 रन बना सकते हैं पर वह उससे करीब 30 रन बना पाये। इससे साफ है कि गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई। हम उनको उम्मीद से करीब 30 रन कम पर रोकने में सफल रहे। 200 से कम का स्कोर हम हासिल कर सकते थे।' इस मैच में सीएसके की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए संभल नहीं पायी। बीच-बीच में विकेट गिरने से टीम की रन गति पर अंकुश लगा रहा। इस कारण उसे अंतिम ओवरों में जीत के लिए काफी रन बनाने थे। सीएसके की टीम 8 विकेट पर 184 रन ही बन पायी। सीएसके के कप्तान ने कहा कि पारी के बीच में ही रनगति कम होने से मैच हमारे हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, 'अंतिम 10 ओवर में 80 रन चाहिए थे। वहां से दो-तीन साझेदारियां बनती तो टीम जीत के करीब पहुंचती पर ऐसा नहीं हुआ। पिछले तीन मैचों से गेंदबाजी यूनिट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आज भी पावरप्ले में सनराइजर्स के अभिषेक ने अच्छी बल्लेबाजी की पर हमारे गेंदबाजों ने उसे खुलकर खेलने नहीं दिया। उन्होंने विशेष रुप से अंकुल कम्बोज की गेंदबाजी को सराहा।

श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगा: रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फॉर्मेट में नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की

35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें किसी को जवाब क्यों देना चाहिए? अपने अंदर की आग को बाहर निकालकर, श्रेयस ने सबको दिखा दिया है कि बेहतरीन होना कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग लगातार सवाल उठाते थे कि वह शॉर्ट बॉल नहीं खेल पाते, लेकिन देखिए उन्होंने जसप्रीत बुमराह को कैसे जवाब दिया, एक शॉर्ट बॉल को फ्रंट प्रेस से मिड-विकेट के ऊपर से छक्का मारकर भेज दिया।

अश्विन ने बताया कि उस समय वह ऑन एयर थे और यह सच में अविश्वसनीय था। उन्होंने कहा कि अय्यर ने चेन्नई के खिलाफ चेपॉक में अपने पहले ही गेम में ऐसा ही शॉट खेला था, जो उनका यह कहने का तरीका है कि तुम चाहते हो कि मैं साबित करूं कि मैं शॉर्ट बॉल खेल सकता हूं? नहीं, मैं तुम्हें कुछ साबित नहीं करूंगा। इसके बजाय, वह खुद को दिखा रहे हैं कि वह कितना काबिल हो सकते हैं और कितना अच्छा करने के लिए मेहनत कर सकते हैं। अश्विन ने कहा कि उनके जैसे क्रिकेटरों को देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती है, क्योंकि उन्होंने पूरी जिंदगी खुद से यही कहा है- किसी को जवाब मत दो; बस आगे बढ़ते रहो।

अश्विन ने राष्ट्रीय टी20 टीम में अय्यर की वापसी की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि अगर वह टीम से बाहर रहते हैं और उन्हें लीडरशिप रोल नहीं दिया जाता है, तो नुकसान देश का होगा, खिलाड़ी का नहीं। अश्विन ने कहा कि उनकी रेंज और उनके लीवर्स जबरदस्त हैं; वह शॉट के जरिए गेंद को दूर तक भेजते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि श्रेयस अय्यर को नजरअंदाज करना अपने लिए ही खतरा है। अगर वह टीम में नहीं हैं या लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा नहीं हैं, तो नुकसान उनका नहीं, हमारा होगा।

धोनी की चोट पर सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने दिया अपडेट, वापसी की उम्मीद जताई

हैदराबाद (तेलंगाना)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन के दौरान महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर उम्मीद जताई है। यह पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभी तक IPL 2026 में नहीं खेल पाए है, क्योंकि वह पिंडली की चोट (calf strain) से उबर रहे हैं। हालांकि यह दाएं हाथ का बल्लेबाज नेट सेशन कर रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह इस्च की प्लेइंग 11 में कब वापसी करेंगे। शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 10 रन से हारने के बाद CSK के बैटिंग कोच हसी ने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धोनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और एक कोच के तौर पर वह उनकी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं। हसी ने कहा, 'वह अपने रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। और देखिए, मैं एक बैटिंग कोच हूं और मैं खुश हूं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं।' हसी ने कहा कि धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह उनकी फॉर्म से संतुष्ट हैं। हसी ने बताया कि धोनी के ठीक होने का मुख्य मकसद दौड़ने की फिटनेस और गति को बेहतर बनाना है, खासकर पारी के आखिरी ओवरों में विकेटों के बीच तेजी से रन बनाने के लिए। हसी ने कहा कि उन्हें धोनी की वापसी की सही तारीख तो नहीं पता, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। CSK के बैटिंग कोच ने कहा, 'जैसा कि आपने कल ट्रेनिंग में देखा, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह अपनी बल्लेबाजी के मौजूदा स्तर से काफी खुश थे। वह अभी बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर काम कर रहे हैं, क्योंकि अगर उन्हें पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करनी है, तो उन्हें दो रन और इस तरह के अन्य रन लेने के लिए तेजी से दौड़ना होगा। उन्हें बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर भरोसा जगाने और अपनी गति बढ़ाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि वह कब खेलेंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सभी फैंस की तरह मैं भी चाहता हूं कि वह जल्द से जल्द वापसी करें।'

आईपीएल में किसी एक स्थल पर 100 मैच खेलने वाली पहली टीम बनी आरसीबी

बेंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने आईपीएल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आरसीबी किसी एक स्थल पर 100 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ ही उसने अपना 100 मैच किसी एक स्थल पर खेला। इस प्रकार से आरसीबी आईपीएल इतिहास में किसी एक वेन्यू पर 100 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गई है। चेन्नास्वामी के मैदान पर आरसीबी का यह 100वां मुकाबला था। इससे पहले किसी भी आईपीएल फ्रेंचाइजी ने एक वेन्यू पर 100 मैच नहीं खेले हैं। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर की टीम किसी एक स्थल पर सबसे अधिक मैच खेलने वाली दूसरी टीम है। केकेआर ने अपने घरेलू मैदान इडेन गॉर्डंस पर अब तक 98 मैच खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में आरसीबी के खिलाड़ी पर्यावरण संरक्षण का हवाला देते हुए हरी जर्सी पहनकर उतरे हैं। यह जर्सी वस्तुओं को रीसाइकिल करके बनाई जाती हैं। आरसीबी 2011 से ही से हर सत्र में 1 मैच में हरी जर्सी पहनकर मैदान में उतरती है जिससे कि पर्यावरण बचाने का संकेत दे सके। आरसीबी ने साल 2011 से अब तक हरी जर्सी में कुल 15 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से सिर्फ 5 मैच में ही जीत हासिल कर सकी है, जबकि 9 मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का परिणाम नहीं आया।

मैं विरोधियों के हाथों से मैच छीन सकता हूं : वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने खेल के प्रति अपने नजरिए और सीनियर लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की अपनी लंबी अवधि की महत्वाकांक्षा के बारे में आत्मविश्वास से भरा बयान दिया है। साथ ही उन्होंने दबाव वाली स्थितियों में मैच का रुख बदलने की अपनी क्षमता पर भी जोर दिया। सूर्यवंशी ने दूरदर्शन पर बोलते हुए क्रीज पर अपने माइंडसेट और अपने क्रिकेटिंग सफर के बारे में अपने परिवार के साथ हुई बातचीत पर बात की।

अपने आत्मविश्वास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब भी वह क्रीज पर होते हैं, तो उनका ध्यान अपनी स्किल्स का इस्तेमाल करके खेल पर असर डालने पर ही रहता है। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं जितनी भी देर मैदान पर रहता हूं, जब तक मैं अपनी स्किल्स का इस्तेमाल करता हूं, हावी होकर खेलता हूं, तब तक मैं विरोधियों के हाथों से मैच छीन सकता हूं। मैंने अपने पिता से भी बात की। उन्होंने कहा कि मैंने उनका आधा सपना पूरा कर दिया है, लेकिन आधा अभी भी बाकी है। मुझे सीनियर भारतीय टीम के लिए वर्ल्ड कप खेलना है। जाहिर है कि हर खिलाड़ी का यही सपना होता है भारत के लिए खेलना और अपने देश, भारत के लिए जीतना। भारत के लिए मेरा यही लक्ष्य है।'

भारत के पूर्व क्रिकेटर सबा करीम ने सूर्यवंशी की स्वाभाविक स्ट्राइकिंग क्षमता की तारीफ की और उनकी जबरदस्त ताकत की तुलना कम उम्र में देखे गए कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों से की। उन्होंने ताकत और तकनीकी बारीकियों के बीच एक फर्क बताया, और कहा कि इस युवा खिलाड़ी की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वाभाविक क्षमता में है, न कि किसी तय कोचिंग में।

उन्होंने कहा, 'सचिन तेंदुलकर में मैंने जिस उम्र में जो ताकत देखी थी, वैभव सूर्यवंशी में उससे भी ज्यादा ताकत है। मैं ताकत की बात कर रहा हूं, तकनीक की नहीं। इस लड़के की बैट स्पीड, उसका स्विंग, उसका हाई बैक-लिफ्ट, ये सब अविश्वसनीय है। और कोई भी कोच यह नहीं सिखा सकता। यह आपको जन्म से ही मिलता है।' अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने छह मैचों में 236.53 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए हैं।

टिम डेविड ने आईपीएल में बनाया रिकार्ड : सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। रॉयल चैलेजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज टिम डेविड ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी 63 रनों की अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया के टिम अब सबसे कम गेंदों में एक हजार आईपीएल रन पूरा करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। वहीं आईपीएल में सबसे कम गेंदों में एक हजार रन पूरा करने के मामले में वेस्ट इंडीज के आंद्रे रसल पहले नंबर पर हैं। रसल ने 545 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे जबकि टिम डेविड ने 560 गेंदों में अपने 1000 रन पूरे किये। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं। हेड ने 575 गेंदों में एक हजार रन जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट ने 575 गेंदों में एक हजार बनाये हैं। दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने 594 गेंदों में एक हजार बनाए थे। भारत के वीरेंद्र सहवाग ने 604 गेंदों में ये उपलब्धि हासिल की थी।

संयुक्ता मेनन ने पूरी की 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग

टीम के लिए लिखा इमोशनल नोट

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री संयुक्ता मेनन बेहतरीन परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में अपनी एक मजबूत पहचान रखती हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी शेड्यूल की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने एक नोट शेयर कर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'सिनेमा कभी भी किसी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता। बल्कि, यह कई विभागों में काम करने वाले अनगिनत लोगों के हाथों, दिलों और मेहनत का साथ होता है। सब एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं। हमने जो कुछ भी यहां बनाया है, वह इसी टीम भावना का नतीजा है। मैं इस पूरी टीम के प्रति बहुत आभारी हूं। ' संयुक्ता ने फिल्म के निर्देशक योगी को खास तौर धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, 'योगी सर, हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। आपका भरोसा और मार्गदर्शन मेरे लिए शब्दों से परे है। उन्होंने मंचेरियल की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान तेज धूप और गर्मी ने काफी परेशान किया। तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। फिर भी पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी। मंचेरियल ने हमारी हर तरह से परीक्षा ली। सूरज की तपिश बहुत तेज थी, लेकिन हमारी टीम उससे भी ज्यादा मजबूत निकली। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बावजूज सब डटे रहे। पूरी ताकत, जुनून और एक लक्ष्य के साथ काम किया। ऐसा हौसला बहुत कम देखने को मिलता है। इस टीम का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। अभिनेत्री ने फिल्म के हर सदस्य को धन्यवाद देते हुए लिखा, 'आप सबने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया, जिसके लिए सभी का दिल से शुक्रिया। आप मेरी ताकत हो। जब मैं ऐसी मुश्किल शूटिंग करती हूं, तो मेरा शरीर थकान, डिहाइड्रेशन और सनबर्न महसूस करता है, लेकिन आपकी देखभाल, आपका साथ और आपकी मौजूदगी मुझे हर बार आगे बढ़ने की हिम्मत देती है। '

'संस्कारों पर टिके रहना चाहिए'

सूरज बड़जात्या ने अपनी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्या 'धुरंधर' जैसी फिल्मों के बीच, इस तरह की पारिवारिक फिल्में सफल हो सकती हैं या नहीं... सूरज बड़जात्या ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मैने प्यार किया' से की थी। इसके बाद उनकी दो और फिल्में 'हम आपके हैं कौन' और 'हम साथ-साथ हैं' भी ब्लॉकबस्टर रहीं। लेकिन साल 2003 में सूरज बड़जात्या की पहली फ्लॉप फिल्म 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' रिलीज हुई। इसमें पहली बार उनकी फिल्म में सलमान खान नहीं थे। हाल ही में सूरज बड़जात्या ने बताया कि पहली फ्लॉप के बाद क्यों उन्हें लगा कि वो कहीं खो गए हैं। साथ ही उन्होंने 'विवाह' बनाने के पीछे के कारण के बारे में भी बात की।

हमारी असफलता हमें बहुत कुछ सिखाती है

स्क्रीन स्पॉटलाइट से बात करते हुए सूरज बड़जात्या ने 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म के फ्लॉप होने के बाद ऐसा लगा कि जैसे मैं कहीं खो गया हूं। लेकिन यही वजह है कि मैं प्रेम की दीवानी हूं मेरे दिल के बहुत करीब है। हम सब इंसान हैं। हम सब सीखते हैं। हमारी हर असफलता हमें बहुत कुछ सिखाती है।

अपारशक्ति ने एक समोसे के लिए तय किया दिल्ली से आगरा का सफर

अभिनेता अक्षय कुमार की सख्त डाइट और फिटनेस से हर कोई वाकिफ है। हाल ही में अभिनेता ने अपने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में बताया था कि उन्होंने पिछले 15 सालों से समोसा नहीं खाया है। दूसरी ओर अभिनेता अपारशक्ति खुराना समोसे की तलाश में आगरा जा पहुंचे। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें अभिनेता ने बताया कि उन्होंने आगरा का समोसा खाने के लिए दिल्ली से आगरा तक का सफर तय किया। वीडियो में अपारशक्ति आगरा के मशहूर समोसे का लुत्फ उठाते हुए कहते हैं कि उनका आगरा आना सफल हो गया। इसके बाद उन्होंने उस दुकान की मशहूर छेने की मिठाई भी खाई। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, 'आगरा के पेठे के बाद अब आगरा के समोसे तेरे पीछे तो मैं पूरी तरह से फिदा हो गया हूं। ' अपारशक्ति का यह वीडियो सभी को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स से लेकर अपारशक्ति के दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में जमकर प्रतिक्रिया दी। म्यूजिशियन रोचक कोहली ने लिखा, 'आपका कुर्ता अच्छा लग रहा है।' अभिनेत्री दिलजोत ने लिखा, 'हमें भी चाहिए आगरा के समोसे।' जबकि, अभिनेता की पत्नी आकृति अहूजा ने हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेता हाल ही में फिल्म 'जब खुली किताब' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने आर.के. नेगी नाम के एक छोटे वकील का किरदार निभाया है। उनका किरदार एक इमोशनल और काम की तलाश में रहने वाले वकील का है, जो पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया के बुजुर्ग जोड़े के तलाक के मामले को संभालता है। यह फिल्म एक ऐसे वृद्ध जोड़े (गोपाल और अनुसूया) की कहानी है, जो पांच दशक साथ रहने के बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं, जिससे उनका परिवार हैरान रह जाता है।

'कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक', 'गली' सीरीज के लिए हंसिका मोटवानी ने की कड़ी मेहनत

फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज 'गली' की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में 'लैला' नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, ''लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया।''

हंसिका ने कहा, ''लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस पूरे प्रोसेस में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है।

'लोग बुलाते हैं, पर बोलने को मना करते हैं'; फैंस ने की ये अपील

रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट कल्चर पर कसा तंज

रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट कल्चर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उनके इस खुलासे ने एक नई बहस को जन्म दिया है। रणवीर शौरी हाल ही में रजत कपूर की फिल्म 'एवरीबॉडी लव्स सोहराब हांडा' में नजर आए हैं। इसमें उनके साथ विनय पाठक भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दिए हैं। फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रिया हासिल हुई है। इस बीच रणवीर शौरी ने पॉडकास्ट को लेकर एक पोस्ट किया, जिसके बाद पॉडकास्ट कल्चर को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है।

पॉडकास्ट को लेकर वायरल हुई रणवीर

शौरी की पोस्ट

अपनी बात बेबाकी से कहने के लिए मशहूर शौरी ने अपने प्रमोशन के दौरान का एक अनोखा अनुभव साझा किया। उन्होंने पॉडकास्ट को लेकर अपने एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कुछ लोग मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैं किसी नई फिल्म के प्रमोशन के लिए पॉडकास्ट पर आऊं और ज्यादा बात न करूं। इस दुनिया को खुश करना नामुमकिन है।' व्यंग्य से भरी रणवीर की यह टिप्पणी तुरंत वायरल हो गई। इस पर यूजर्स की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। वहीं पॉडकास्ट कल्चर को लेकर भी एक बहस शुरू हो गई।

'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल का नेगेटिव किरदार, बोलीं- ये चुनौतीपूर्ण रहा

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे। गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी।

उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें। '

एली अवराम ने आमिर और शाहरुख को लेकर कही ये बात

'बड़े स्टार्स के बारे में गलत है नए एक्टर्स की सोच'

एली अवराम ने फिल्मों में काम करने के अलावा कई आइटम नंबर भी किए हैं, जिनसे उन्हें सुर्खियां मिली हैं। एली पिछले लंबे वक्त से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और इस दौरान उन्हें कई बड़े सुपरस्टार्स के साथ भी काम करने का मौका मिला है। हाल ही में एली अवराम ने स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। साथ ही उन्होंने आमिर खान को लेकर अपनी राय भी रखी और बताया कि उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अपने काम को लेकर पेशेवर होते हैं स्टार्स

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान एली अवराम ने बड़े स्टार्स के बारे में अपनी राय साझा की। एक्ट्रेस ने बड़े स्टार्स को लेकर कहा कि उनसे मैंने एक बात सीखी है कि वे अपने काम का बहुत सम्मान करते हैं। उनमें बहुत अनुशासन है और वे बेहद विनम्र हैं। यह देखना बहुत अच्छा लगता है कि वे अपने काम के प्रति कितने पेशेवर और समर्पित हैं और फिर भी आगे बढ़ना और बेहतर करना चाहते हैं।

बड़े सितारों के साथ काम करते हुए मैंने जो सबसे अच्छी बात देखी है, वह यह है कि मुझे कभी-कभी लगता है कि नए कलाकारों की इन स्टार्स के व्यवहार के बारे में जो सोच है, वह पूरी तरह गलत है। बड़े स्टार्स बहुत पेशेवर होते हैं, अपने साथ काम करने वालों के प्रति दयालु होते हैं, और वे नखरे नहीं दिखाते या अपनी धौंस नहीं जमाते।

2021 में आई फिल्म 'कोई जाने ना' के गाने 'हर फन मौला' में आमिर खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी एली ने बात की। उन्होंने कहा कि आमिर खान एक परफेक्शनिस्ट होने के साथ-साथ बेहद विनम्र भी हैं। वह सबसे बात करते हैं, सबका सम्मान करते हैं। वह आपकी राय की परवाह करते हैं और उस पर विचार भी करते हैं, उसे पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं करते।

शाहरुख खान की बड़ी फैन हूं

एली अवराम ने सलमान खान और आमिर खान के साथ काम किया है, लेकिन उन्हें अभी तक शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका नहीं मिला है। हालांकि, शाहरुख से उनकी मुलाकात हो चुकी है। शाहरुख से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए एली ने कहा कि मैं शाहरुख खान से पहली बार 2013 में एक रियलिटी शो के सेट पर मिली थी। वह वहां जज थे और मैं 'मिक्की वायरस' के प्रमोशन के लिए गई थी।

उन्होंने पोस्टर में मेरे लुक की तारीफ की। यह मेरे लिए एक यादगार पल था, क्योंकि मैं शाहरुख खान की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करना मेरे लिए मानो आखिरी मौका है। 'देवदास' पहली पूरी बॉलीवुड फिल्म थी, जो मैंने देखी। मुझे वह फिल्म इतनी पसंद आई कि मैं रो पड़ी, मेरे दोस्त शाहरुख खान के दीवाने हो गए थे। जिस दिन मैं उनके साथ काम करूंगी, स्वीडन में मेरे दोस्तों के लिए वह बहुत बड़ी बात होगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कांग्रेस का विरोध, महिलाओं के सम्मान से विश्वासघात: नीमूबेन बांभणिया

■ संसद में महिला आरक्षण के खिलाफ मतदान कर विपक्ष ने नारी शक्ति को दिया धोखा: नीमूबेन बांभणिया ■ महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर : नीमूबेन बांभणिया ■ नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर विपक्ष ने महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाई : नीमूबेन बांभणिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 19 अप्रैल। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण- दीव प्रदेश भाजपा कार्यालय पर आज एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई जिसमें प्रमुख रूप से संसद से पारित नहीं हो सके नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विषय में विपक्ष की ओर कांग्रेस की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस प्रेसवार्ता में केन्द्रीय मंत्री नीमूबेन बांभणिया, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया, दमण नगरपालिका अध्यक्षा दीपिका टंडेल, प्रदेश सचिव उर्वशी पटेल, नगरपालिका काउंसिलर सिम्पल काटेला उपस्थित रही। मीडिया को संबोधित करते हुए नीमूबेन बांभणिया ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाने जा रही थी, हमारी सरकार का उद्देश्य नारी शक्ति को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाते हुए उन्हें नीति-निर्धारण में समान भागीदारी देना था। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान था। लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर लगभग 850 तक करने का प्रस्ताव था, जिससे महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित हो सकती थीं। यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में महिलाओं की भागीदारी का सबसे बड़ा और क्रांतिकारी परिवर्तन होता। किन्तु दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ने संसद में इन विधेयकों का कड़ा विरोध किया और महिला अधिकारों को आगे बढ़ाने वाले इस ऐतिहासिक अवसर को रोकने का कार्य किया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने पिछले चार दशकों से किसी न किसी बहाने महिला आरक्षण के मुद्दे को टालने का काम किया है। वर्ष 2010 में यूपीए सरकार के दौरान यह विधेयक राज्यसभा में पारित हुआ, लेकिन कांग्रेस ने वोटबैंक की राजनीति के कारण लोकसभा में इसे प्रस्तुत करने का साहस नहीं दिखाया और विधेयक निष्प्रभावी हो गया।16-17 अप्रैल 2026 को एक बार फिर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने मिलकर इस ऐतिहासिक अवसर को बाधित किया। विपक्ष ने इन विधेयकों को रोककर देश की आधी आबादी को उनके अधिकार से वंचित रखने का कार्य किया है। संसद में केवल बिल नहीं रुका, बल्कि विपक्ष का महिला विरोधी चेहरा एक बार फिर उजागर हुआ है। विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाया गया कि इस निर्णय से दक्षिण भारत और छोटे राज्यों को नुकसान होगा, जबकि माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने संसद में स्पष्ट किया कि परिसीमन से किसी भी राज्य, विशेषकर दक्षिण भारत के राज्यों के साथ अन्याय नहीं होगा। जब यह विधेयक पारित नहीं हो सका, तब विपक्षी सांसदों द्वारा सदन में हँसी और उत्सव मनाना देश की करोड़ों बेटियों का अपमान है। महिलाओं के सपनों के टूटने पर विपक्ष की यह खुशी अत्यंत शर्मनाक है। कांग्रेस को भय है कि यदि महिलाएँ वास्तविक रूप से सशक्त हो जाएँगी, तो उनकी वंशवादी राजनीति की जमीन खिसक जाएगी। देश की मातृशक्ति इस अपमान का जवाब आगामी चुनावों में अवश्य देगी। मोदी सरकार कभी हार नहीं मानेगी। हम देश की बेटियों को उनका अधिकार दिलाने के लिए अंतिम क्षण तक संघर्ष करते रहेंगे। आज मैं आपके माध्यम से देश की प्रत्येक महिला को भरोसा दिलाना चाहती हूँ कि महिलाओं को आरक्षण दिलाने के लिए सरकार का संकल्प अटूट है। मोदी सरकार महिला आरक्षण के पक्ष में है और इसे लागू करने के लिए हर संभव प्रयास करती रहेगी।

दीव प्रशासन ने नवनिर्मित कलेक्टर कार्यालय सेवा भवन में पूजा-हवन करके कार्यालय का किया शुभारंभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 19 अप्रैल। दीव प्रशासन द्वारा नव-निर्मित कलेक्टर कार्यालय 'सेवा भवन' में विधिवत रूप पारंपरिक विधि-विधान के अनुसार पूजा एवं हवन का आयोजन कर औपचारिक रूप से कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इस पावन अवसर पर दीव समाहर्ता राहुल देव बूरा के साथ अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जतिन गोयल, उप कलेक्टर शिवम मिश्रा, मामलतदार धर्मेश दमणिया और समाहर्तालय एवं संबंधित विभागों के अधिकारी एंव कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। औपचारिक प्रवेश के उपरांत दीव समाहर्ता ने विभिन्न कार्यालयों के संबंधित अधिकारियों को उनके नवनिर्मित कार्यालयों में स्वयं ले जाकर विधिवत उनके संबंधित कार्यालयों की सांकेतिक शुरुआत करायी। ज्ञात हो कि अत्याधुनिक रूप से निर्मित सेवा भवन में दीव प्रशासन के अधिकांश शासकीय कार्यालयों को एक ही स्थान पर स्थापित किया गया है, जिससे दीव के आम नागरिकों को विभिन्न सेवाओं के लिए एक ही परिसर में सुविधा प्राप्त होगी और उनके समय एवं श्रम दोनों की बचत होगी। यह व्यवस्था आमजन के लिए अत्यंत सुविधाजनक सिद्ध होगी। यह भी उल्लेखनीय है कि सेवा भवन शीघ्र ही पूर्ण रूप से कार्यात्मक हो जाएगा, जिससे नागरिकों को सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह अंतर्गत दमण-दानह में फायर सेफ्टी परेड का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/सिलवासा 19 अप्रैल। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2025 तक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सप्ताह भर विभिन्न संस्थानों–अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, आवासीय परिसरों एवं औद्योगिक इकाइयों में अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं औद्योगिक श्रमिकों के बीच अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके अंतर्गत आज सिलवासा में एक भव्य फायर सेफ्टी अवेयरनेस परेड का आयोजन किया गया। यह परेड सर्किट हाउस, नाइट स्ट्रीट मार्केट, नानी दमण से प्रारंभ होकर चार रास्ता, डाकघर, मशाल चौक रोड, दिलीपनगर मैदान तक निकाली गई। परेड में दमण तथा दादरा नगर हवेली के विभिन्न उद्योगों, स्कूलों, एनसीसी (आर्मी विंग), आम जनता तथा अग्निशमन सेवा विभाग के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस जागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में अग्नि सुरक्षा के महत्व को समझाना एवं आपातकालीन स्थितियों में सतर्कता एवं तत्परता बढ़ाना था। परेड के दौरान प्रतिभागियों द्वारा अनुशासित मार्च एवं संदेशों के माध्यम से आमजन को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के मार्गदर्शन में इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन दमण, फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन, ऑल इंडस्ट्रीज, दादरा नगर हवेली माउंट लिटेरा जी स्कूल नरोली, ओंकार स्कूल, नरोली, लायंस स्कूल, सिलवासा, शासकीय महाविद्यालय दादरा नगर हवेली एवं दमण तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर (आर्मी विंग) के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। अग्निशमन विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति में सतर्कता एवं जिम्मेदारी का परिचय दें।

दादरा नगर हवेली के रांधा गांव की अदिति चौधरी का इसरो के प्रतिष्ठित UVIKA कार्यक्रम के लिए हुआ चयन

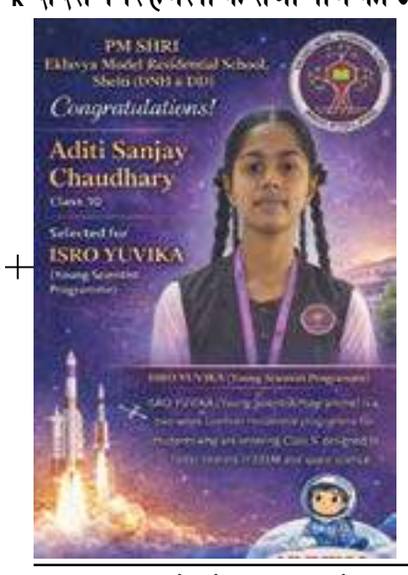

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 19 अप्रैल। दादरा नगर हवेली के रांधा-चौकीपाड़ा की अदिति संजय चौधरी ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है जो पूरे इलाके के लिए गर्व की बात है। शेल्टी में पीएम श्री एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (EMRS) की 10वीं क्लास की होनहार स्टूडेंट अदिति चौधरी को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन (ISRO) के प्रतिष्ठित UVIKA (यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम) के लिए चुना गया है। जिसके लिए मेंटर टीचर, प्रिंसिपल और राज्य प्रशासन शुक्रगुजार हैं। आदिवासी समुदाय से आने वाली अदिति ने वारली पेंटिंग और योग में नेशनल लेवल के कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया है। उनकी यह कामयाबी खास तौर पर इसलिए जरूरी है क्योंकि इससे साबित होता है कि आर्थिक और भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद, अगर लगन, कड़ी मेहनत और मौका दिया जाए तो हमारे युवा टैलेंट स्पेस तक पहुंच सकते हैं। UVIKA प्रोग्राम ISRO का दो हफ़्ते का रेजिडेंशियल प्रोग्राम है, जिसमें चुने हुए स्टूडेंट्स को देश के जाने-माने साइंटिस्ट से स्पेस साइंस और STEM सब्जेक्ट्स में गाइडेंस मिलती है। अदिति की सफलता न सिर्फ़ उनके लिए, बल्कि आदिवासी समुदाय और दादरा और नगर हवेली के हज़ारों स्टूडेंट्स के लिए भी प्रेरणा का एक बेहतरीन उदाहरण होगी। संजय चौधरी की प्यारी बेटी अदिति संजय चौधरी को बहुत-बहुत बधाई। आपकी यह शानदार सफलता हमारे इलाके, देश और आदिवासी समुदाय का नाम और रोशन करे और आपके सभी सपने पूरे हों।

क्राइम ब्रांच ने मोटी दमण से तस्करी के लिए अवैध तरीके से जमा की गई शराब-बीयर को पकडा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 19 अप्रैल। गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने मोटी दमण के झरी क्षेत्र से बडी मात्रा में शराब और बीयर के जखीरे को पकडा है। क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि मोटी दमण झरी में नवीन पटेल और गुलाब उर्फ चीनू पटेल के घर के पीछे खेत में बडी मात्रा में शराब-बीयर को जमा किया गया है। क्राइम ब्रांच की टीम ने इस स्थान पर छापेमारी की। इस छापेमारी में अशोक लेलैंड टेंपो नं. जीजे-15-एवी-9155 और व्हाइट हुंडई क्रेटा नं. जीजे-15-सीएस-3373 में शराब-बीयर की पेटियां भरी पडी थी। जिसमें बडवाइज़र मैग्नमः 77 बॉक्स, जॉन मार्टिनः 220 बॉक्स, किंगफिशर स्ट्रॉन्गः 58 बॉक्स, टुबोर्ग स्ट्रॉन्गः 18 बॉक्स, रॉयल स्टैगः 192 बॉक्स, इंपीरियल ब्लूः 45 बॉक्स, रॉयल स्पेशलः 90 बॉक्स, मैजिक मुमेंटः 3 बॉक्स, बैगपाइपरः 2 बॉक्स, रॉयल चैलेंजः 1 बॉक्स सहित कुल 706 बॉक्स जिसकी कीमत 21,03,360 रूपये है। इसके साथ 20,50,000 रूपये के दो वाहनों को भी जप्त किया गया है। क्राइम ब्रांच ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद नियम के अनूसार आगे की कार्यवाही के लिए शराब-बीयर एवं वाहनों सहित के मुद्दामाल को आबकारी विभाग को सौंप दिया है।

પાંચમી પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ. પારૂલબેન ઉમેશભાઈ પટેલ

જન્મ તા. ૧૮/૦૬/૧૯૮૩ સ્વ. તા. ૨૦/૦૪/૨૦૨૧

પળે પળે યાદ આવશે તારી. સદાય ખોટ રહેશે તારી,
તું ભલે દેહથી દુર થયો પરંતુ સદાય અમારા હ્રદયમાં વસવાટ કરશે.
પ્રભુ પરમાત્મા આપના આત્માને શાંતિ આપે એજ પ્રાર્થના...

લિ.
ઉમેશ સુક્કર પટેલ (પતિ)
પ્રિયાન્શી ઉમેશ પટેલ (પુત્રી),
ફેની ઉમેશ પટેલ (પુત્રી)
તથા સમસ્ત પટેલ પરિવાર

સ્થળ: પાંચ બગલો, આમલિયા, દાભેલ, નાની દમણ- 396210

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)